भारतीय जनता पार्टी
उत्तराखण्ड

दृष्टि पत्र 2022

किया है, करती है, करेगी सिर्फ़ भाजपा

देश हित में लिए बढ़ती है भाजपा
किया है, करती है, करेगी सिर्फ भाजपा...

किया है, करती है
करेगी सिर्फ़ भाजपा

समृद्ध एवं अग्रणी उत्तराखण्ड के लिए हमारे संकल्प

सुरक्षित देवभूमि

1. भाजपा सरकार मिशन मोड में राज्य के प्रत्येक जिले में **भूमि पर अवैध कब्जा होने के कारण हो रहे भू एवं जनसांख्यिकीय परिवर्तन** से संबंधित विषयों की जांच एवं समाधान के लिए **एक अधिकार प्राप्त समिति** का गठन करेगी।

2. भाजपा सरकार **"हिम प्रहरी योजना"** के अंतर्गत दीर्घकालीन राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए राज्य के भूतपूर्व सैनिकों एवं युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकटवर्तीय जिलों में बसने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी।

पूर्व सैनिक कल्याण

3. भारत माता के प्रति हमारे जवानों के पराक्रम और बलिदान का सम्मान करने के लिए:

   - पूर्व सैनिकों को आसान ऋण प्रदान करने के उद्देश्य से, भाजपा सरकार **"जनरल बिपिन सिंह रावत पूर्व सैनिक क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट"** की स्थापना करेगी, इस प्रकार **5 लाख रुपये तक के ऋण के लिए 50% की सीमा तक गारंटीकृत कवर** प्रदान करेगी।
   - भाजपा सरकार **देहरादून के गुनियाल गांव में भव्य सैन्य धाम और संग्रहालय** का निर्माण समयबद्ध तरीके से पूरा करेगी।
   - भाजपा सरकार **"मेजर सोमनाथ शर्मा स्किल सर्टिफिकेशन"** पहल के माध्यम से पूर्व सैनिकों द्वारा अर्जित कौशल के प्रमाणीकरण की सुविधा प्रदान करेगी ताकि उनके लिए उच्च कुशल नौकरियां लेना आसान हो सके।

कृषि

4. भाजपा सरकार, **"पीएम किसान सम्मान निधि"** योजना की तर्ज पर, एक **"सीएम किसान प्रोत्साहन निधि"** की शुरुआत करेगी, जिसके अंतर्गत सभी लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण कृषि उपकरण खरीदने और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु **2,000 रुपये की राशि प्रति वर्ष** दी जाएगी, जो पीएम किसान सम्मान निधि से प्राप्त **6,000 रुपये के अतिरिक्त** होगी।

5. भाजपा सरकार अमूल की तर्ज पर सहकारी समितियों के निर्माण को प्रोत्साहित करेगी और इसके साथ ही एक **कृषि निर्यात नीति** भी तैयार करेगी जिसका उद्देश्य उत्तराखण्ड को एक **बागवानी और डेयरी हब** बनाना होगा।

   - उत्तराखण्ड के प्रत्येक गांव में एक संग्रह केंद्र के साथ प्रत्येक ब्लॉक में **डेयरी सहकारी समितियों की स्थापना के लिए 500 करोड़ रुपये की कोष निधि** का गठन किया जाएगा।
   - राज्य भर में **500 करोड़ रुपये के कोष के साथ पर्याप्त संख्या में बागवानी सहकारी समितियों की स्थापना** की जाएगी।
   - स्थानीय फूलों की खेती, बागवानी और जैविक उत्पादों पर ध्यान देने हेतु राज्य भर में **पचास अत्याधुनिक कृषि गोदाम और कोल्ड स्टोरेज** सुविधाओं के निर्माण में निवेश करने के लिए **1,000 करोड़ रुपये** का कोष भी बनाया जाएगा।

6. **उत्तराखण्ड ऑर्गेनिक मिशन को मजबूत** करने के लिए भाजपा सरकार :

- एक अखिल भारतीय बाजार बनाने हेतु **"उत्तराखण्ड ऑर्गेनिक्स"** ब्रांड बनाएगी। उत्तराखण्ड ऑर्गेनिक्स आउटलेट राज्य के **हर प्रमुख पर्यटन स्थल** के साथ-साथ **अन्य राज्यों की राजधानियों** में भी स्थापित किया जाएंगे।
- भाजपा सरकार **"प्राकृत कृषि प्रोत्साहन योजना"** शुरू करेगी, जिसके अंतर्गत **3,500 गांवों** को प्रशिक्षण और प्रोत्साहन के माध्यम से **100% शून्य-बजट प्राकृतिक कृषि गांवों** में बदला जाएगा।

भाषा एवं संस्कृति

7. **चार धाम सर्किट** में आने वाले **सभी मंदिर और गुरुद्वारों** में **भौतिक बुनियादी ढांचे और परिवहन सुविधाओं का विस्तार** किया जाएगा। गढ़वाल के चार धाम परियोजना की तर्ज पर कुमाऊं के प्राचीन मंदिरों को भव्य बनाने के लिए **"मानसखंड मंदिर माला मिशन"** की शुरुआत की जाएगी।

8. भाजपा सरकार **हरिद्वार को योग की अंतर्राष्ट्रीय राजधानी** और विश्व में **आध्यात्मिक पर्यटन के लिए सबसे बड़े स्थलों के रूप में बदलने के लिए** उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ **"मिशन मायापुरी"** शुरू करेगी।

महिला

9. भाजपा सरकार उत्तराखण्ड की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम करते हुए :

- हम राज्य के **सभी गरीब घरो में एक वर्ष में 3 निःशुल्क एल.पी.जी. सिलेंडर** उपलब्ध करवाएंगे।
- **निर्धन परिवारों की महिला मुखियाओं को सहायता राशि देगी।**
- राज्य भर में **महिला स्वयं सहायता समूहों (एस.एच.जी.) की व्यावसायिक पहल** की सहायता के लिए **500 करोड़ रुपये का एक विशेष कोष गठित करेगी।**

स्वास्थ्य

10. उत्तराखण्ड को **हेल्थ एंड वेलनेस टूरिज्म हब** में बदलने के लिए भाजपा सरकार, जहां भी संभव हो, **राज्य के हर जिले में मेडिकल कॉलेज** स्थापित करेगी, मेडिकल सीटों की क्षमता में 30% की वृद्धि करेगी और **कुमाऊं में एम्स का एक सैटेलाइट केंद्र** स्थापित करेगी। साथ ही **"उत्तराखण्ड राज्य स्वास्थ्य विकास निगम"** के माध्यम से सभी प्रासंगिक और आवश्यक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

11. उत्तराखण्ड के लोगों के लिए किफायती उन्नत चिकित्सा उपलब्ध कराने और अंतिम छोर तक स्वास्थ्य सेवाओं का क्रियान्वन सुनिश्चित करने के लिए :

- भाजपा सरकार प्रत्येक जिले में **डॉक्टर, नर्स, लैब तकनीशियन और उपयुक्त उपकरणों जैसे कि एक्स-रे, ईसीजी और रक्त परीक्षण सुविधा से युक्त एक सचल अस्पताल का संचालन** करेगी।
- हर **जिले के एक अस्पताल को सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में परिवर्तित** किया जाएगा।
- **राज्य में वर्तमान जन औषधि केंद्रों** की संख्या को **190 से बढ़ाकर 400 तक दोगुना किया** जाएगा।

बुनियादी ढांचा

12. भाजपा सरकार उत्तराखण्ड को सही मायने में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से :

- विशेष रूप से राज्य के **10 पहाड़ी जिलों** में बेहतर और तेज कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए **रोपवे परिवहन नेटवर्क** के निर्माण के लिए **"पर्वत माला परियोजना"** शुरू करेगी।
- वार्षिक **भूस्खलन और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण** उत्तराखण्ड के लोगों के जीवन, आजीविका और संपत्ति को होने वाली **क्षति का न्यूनीकरण करने हेतु सड़क किनारों की ढलानों का स्थिरीकरण** करने के उद्देश्य से **"मिशन हिमवंत"** शुरू करेगी।
- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन की तर्ज पर **टनकपुर बागेश्वर रेल लाइन सहित अन्य प्रवर्तमान परियोजनाओं का तेजी से पालन कर समयबद्ध तरीके से पूरा** करेगी।

13. भाजपा सरकार उत्तराखण्ड के सभी गांवों को सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु, इन उद्देश्य के साथ काम करेगी :

- सभी क्षेत्रो को **4G/5G मोबाइल नेटवर्क एवं हाई स्पीड ब्रॉडबैंड एवं फाइबर इंटरनेट से जोड़ना।**
- **"हर घर नल से जल"** योजना के माध्यम से सभी घरों के लिए नल के पानी की कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना, जिसके अंतर्गत 2019-2022 के बीच उत्तराखण्ड को पहले ही 8.58% से 51.83% नल जल कनेक्टिविटी तक जोड़ दिया गया है।
- **"मेरा गांव मेरी सड़क योजना"** के माध्यम से राज्य के सभी ग्रामीण क्षेत्रों को पक्की सड़कों से जोड़ना।

14. भाजपा सरकार उत्तराखण्ड के शहरी क्षेत्रों में निम्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से काम करेगी:

- समयबद्ध तरीके से सुरक्षित, निर्बाध और किफायती गैस आपूर्ति प्रदान करने के लिए **प्रमुख 20 शहरों के घरों में पाइप गैस कनेक्शन से जोड़ा जाएगा।**
- पर्यावरण अनुकूल परिवहन को सक्षम करने और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार करने के लिए **1,000 इलेक्ट्रिक बसें** उपलब्ध कराएँगे।
- शहरी क्षेत्रों की **सभी सड़कों को चरणबद्ध तरीके से कंक्रीट सड़कों में अपग्रेड** किया जाएगा।
- हम एक **'शहरी बुनियादी ढांचा विकास कोष'** की स्थापना करेंगे, जिसके माध्यम से राज्य के सभी शहरी क्षेत्रों में उच्च प्रभाव वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए फण्ड एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएँगी।

शिक्षा

15. भाजपा सरकार उत्तराखण्ड में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए ठोस प्रयास करेगी और **एनईपी-2020 को लागू करने वाला पहला राज्य** बनाने हेतु:

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच को अंतिम छोर तक बढ़ाने के लिए **प्रत्येक न्याय पंचायत में सी.बी.एस.ई. से मान्यता प्राप्त अटल उत्कृष्ट विद्यालय खोले जाएंगे।**
- भाजपा सरकार **"वीर चंद्र सिंह गढ़वाली व्यावसायिक शिक्षा मिशन"** शुरू करेगी जिसका लक्ष्य प्रत्येक ब्लॉक में एक कॉलेज की स्थापना करने के साथ उत्तराखण्ड के प्रत्येक सरकारी कॉलेज में युवाओं को रोज़गार उन्मुख शिक्षण में प्रोत्साहन देने हेतु पर्यटन, आतिथ्य एवं स्वास्थ्य से सम्बंधित रोजगारों में कुशल प्रशिक्षण देना होगा।

युवा, रोजगार और खेल

16. उत्तराखण्ड में बेरोजगारी की समस्या को हल करने के लिए, भाजपा सरकार **'मुख्यमंत्री प्रशिक्षु योजना'** प्रारम्भ करेगी जिसके अन्तर्गत इच्छुक बेरोजगार युवाओं को 1 वर्ष तक **3000 रूपए प्रतिमाह** तक की राशि प्रदान की जाएगी जो कि केंद्र सरकार से मिलने वाली राशि के अतिरिक्त होगी।

17. विश्व स्तर के खेल बुनियादी ढांचे के निर्माण में समर्पित निवेश के माध्यम से भाजपा सरकार **देवभूमि को 'सशक्त खेलभूमि'** के रूप में विकसित करेगी। इसके साथ ही ओलंपिक खेलो के लिए स्वर्ण पदक विजेता तैयार करने के उद्देश्य से कम उम्र में ही प्रतिभाओं की पहचान करने व उन्हें तैयार करने के लिए **प्रत्येक ब्लॉक में प्रशिक्षण अकादमी युक्त एक स्टेडियम** का निर्माण करेगी।

पर्यटन

18. भाजपा सरकार **45 नए हॉटस्पॉट** पर फोकस कर राज्य में पर्यटकों की संख्या तिगुनी करेगी:

- **05 शहरों को मसूरी एवं नैनीताल जैसे पर्यटक स्थलों की तरह उन्नत** करने के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण करेगी।
- भाजपा सरकार **'ईको टूरिज्म प्रमोशन बोर्ड'** के माध्यम से पूरे उत्तराखण्ड के **20 दर्शनीय स्थलों को पर्यावरण केंद्रित पर्यटन (ईको-टूरिज्म) हॉटस्पॉट** में विकसित करेगी।
- भाजपा सरकार **'साहसिक टूरिज्म प्रमोशन बोर्ड'** के माध्यम से राज्य भर में **20 चुनिंदा स्थानों को साहसिक पर्यटन के लिए हॉटस्पॉट** में बदलने के लिए एक विशेष पहल करेगी।
- इन 45 स्थानों पर होमस्टे और होटल स्थापित करने के इच्छुक उत्तराखण्ड के लोगों को वित्तीय सहायता देने हेतु एक **"देवेंद्र शास्त्री क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट"** का गठन किया जाएगा ।

19. भाजपा सरकार उत्तराखण्ड को **घरेलू पर्यटन के लिए भारत का नंबर 1** स्थान बनाने के साथ-साथ **दुनिया भर में उच्च आय वाले पर्यटकों** के लिए एक प्रमुख गंतव्य का केंद्र बनाएगी। इसके साथ ही भारत के सभी राज्यों की राजधानियों और दुनिया भर की प्रमुख राजधानियों में उत्तराखण्ड को बढ़ावा देने के लिए **"मिशन- उत्कृष्ट देवभूमि"** शुरू किया जाएगा।

उद्योग एवं अर्थव्यवस्था

20. भाजपा सरकार उत्तराखण्ड में **दिल्ली-देहरादून आर्थिक कॉरिडोर** और अन्य प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करेगी ताकि राज्य को **एक प्रमुख विनिर्माण केंद्र** में बदला जा सके।

- **05 लाख रोजगार पैदा करने के उद्देश्य से,** सभी प्रकार की स्थानीय विनिर्माण इकाइयों में कार्यरत प्रत्येक उत्तराखण्ड अधिवासी कर्मचारी के लिए प्रति कर्मचारी **5000 रूपये की वेतन सब्सिडी** 03 वर्ष तक के लिए प्रदान की जाएगी।
- भाजपा सरकार उत्तराखण्ड में **'एक राज्य, एक मंजूरी, एक अनुपालन'** की नीति को लागू करेगी, जिसमें राज्य के सभी औद्योगिक और वाणिज्यिक तंत्र को रोजगार सृजन के उद्देश्य से एक साझा पोर्टल पर लाया जाएगा।

21. भाजपा सरकार उत्तराखण्ड की जलवायु उपयुक्तता और केंद्र सरकार की **पी.एल.आई. योजना** का लाभ उठाकर राज्य को पूरे उत्तर भारत के **सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग और डेटा सेंटर हब** में बदलेगी।

निर्धनों का कल्याण

22. भाजपा सरकार उत्तराखण्ड के **असंगठित मजदूरों और गरीबों को 6,000 रूपये तक की पेंशन और 5 लाख रूपये का बीमा कवर** प्रदान करेगी। केंद्र सरकार के **ई-श्रम पोर्टल** पर असंगठित श्रमिकों को नामांकित करने के लिए बड़े पैमाने पर पंजीकरण अभियान चलाया जाएगा।

23. भाजपा सरकार, गरीबों को गुणवत्तापूर्ण आवास सुनिश्चित करने हेतु, **प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी और ग्रामीण** के अंतर्गत सभी किफायती आवास परियोजनाओं को फास्ट ट्रैक मिशन मोड पर पूरा करेगी। उत्तराखण्ड के शहरी क्षेत्रों में किराए को वहनीय बनाने हेतु केंद्र सरकार की **'अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स'** पहल को भी लागू किया जायेगा।

कानून एवं व्यवस्था

24. भाजपा सरकार, **लव जिहाद के कानून में संशोधन कर उसे कठोर बनाएगी तथा दोषियों के लिए दस साल के कठोर कारावास** का प्रावधान करेगी। इस कानून के अंतर्गत दर्ज सभी मामलो का निस्तारण फ़ास्ट ट्रैक किया जायेगा।

25. भाजपा सरकार **"जीरो टॉलरेंस ऑफ ड्रग्स"** की नीति को लागू करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन करेगी। ड्रग्स के व्यापार में शामिल लोगों के खिलाफ सजा बढ़ाई जाएगी और इस व्यापार में सम्मिलित लोगों के खिलाफ सभी मामलों की सुनवाई विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों में की जाएगी। दोष सिद्ध **ड्रग पेडलर्स की सभी चल एवं अचल संपत्तियों जिसमे घर एवं वाहन भी सम्मिलित होंगे, को जब्त कर लिया जाएगा तथा इन जब्त सम्पतियो का उपयोग ड्रग रिहैबिलिटेशन सुविधाओं को फंड** करने के लिए किया जाएगा।

समृद्ध एवं अग्रणी उत्तराखण्ड के लिए हमारी उपलब्धियाँ

सुरक्षित देवभूमि

1. **राष्ट्रीय सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता की सूची में पहले स्थान पर रखते हुए**, भाजपा ने उत्तराखण्ड के सीमावर्ती जिलों में बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए कदम उठाए हैं। सीमा पर सैनिकों के तेज आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए **पिथौरागढ़ जिले के तवाघाट, किरकुटिया और जौलजीबी इलाकों में 140, 180 और 140 फीट लंबे तीन पुल** बनाए गए। **चार धाम परियोजना** के अंश के रूप में ऋषिकेश-धरासू मार्ग पर **चंबा शहर में एक रणनीतिक सुरंग भी बनाई गई है।**

2. बुनियादी ढांचे के विकास और कनेक्टिविटी के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा को और सुदृढ़ करने की दृष्टि से, **प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखण्ड के ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में 17,500 करोड़ रुपये से अधिक की 23 परियोजनाओं की शुरुआत की है।**

पूर्व सैनिक कल्याण

3. पूर्व सैनिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए, भाजपा सरकार ने सुनिश्चित किया कि **"वन रैंक वन पेंशन"** योजना पूरे देश में लागू की जाए। इसके साथ ही सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया कि **अकेले उत्तराखण्ड के 1.16 लाख पूर्व सैनिक इस योजना से लाभान्वित हों। इस योजना के अंतर्गत पूर्व सैनिकों के लिए 530.57 करोड़ रुपये बकाया के रूप में जारी किए गए।**

4. **उत्तराखण्ड पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड** के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों में अनुबंध के आधार पर कार्यरत भूतपूर्व सैनिकों के मानदेय में **20 प्रतिशत की भारी वृद्धि** की गई।

5. युद्ध के मैदान में सैनिकों द्वारा किए गए बलिदान का सम्मान करते हुए, भाजपा सरकार ने **बलिदानियों के परिजनों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को संशोधित किया।** इस प्रकार अनुग्रह राशि को **पहले की अपेक्षा 10-20 लाख रुपये से बढ़ाकर अब 25-45 लाख कर दिया गया है।**

कृषि

6. राज्य में **भंडारण और भंडारण सुविधाओं** में सुधार पर ध्यान केंद्रित करते हुए, भाजपा सरकार ने **अकेले 2021-22 में 770.3 करोड़ रुपये आवंटित किए।** इसके साथ ही **वृहद एवं लघु सिंचाई परियोजनाओं के लिए 8945.4 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया गया है।** जिससे बागवानी और कृषि उपज में वृद्धि हुई है।

7. **गंगा मैया** को विषाक्त पदार्थों से मुक्त रखते हुए किसानों की आय बढ़ाने के दोहरे उद्देश्य के साथ, भाजपा सरकार ने जैविक खेती के तहत क्षेत्र को बढ़ाने के उपाय किए हैं। भाजपा सरकार ने जैविक **कृषि अधिनियम, 2019** पारित किया, जिससे उत्तराखण्ड ऐसा कानून बनाने वाला पहला राज्य बन गया।

8. उत्तराखण्ड के अन्नदाताओं की आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए, भाजपा सरकार ने **9.43 लाख** किसानों को **पीएम किसान सम्मान निधि के अंतर्गत 526.82 करोड़ रुपये का वितरण किया है।**

भाषा एवं संस्कृति

9. **केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण का पहला चरण पूरा हो चुका है** और यह राज्य की संस्कृति की रक्षा में भाजपा के दृढ़ संकल्प का एक प्रमाण है। इसी प्रकार 250 करोड़ रुपए की लागत का बद्रीनाथ धाम का मास्टर प्लान भी तैयार कर लिया गया है और इसके पुनर्विकास का काम चल रहा है।

10. आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **गढ़वाल मंडल में 12 शक्ति पीठ और कुमाऊं मंडल में 12 शक्ति पीठों को परिपथ के रूप में विकसित किया जा रहा है।**

11. 2013 की बाढ़ में आदिगुरु शंकराचार्य की समाधि के बह जाने के बाद भाजपा सरकार ने उनके समाधि स्थल पर उनकी 12 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की है।

महिला

12. भाजपा सरकार ने गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के कल्याण के लिए **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना** तैयार की जिसके अंतर्गत **1.8 लाख लाभार्थियों में कुल 82.2 करोड़ रुपए** का वितरण किया गया है।

13. भाजपा सरकार ने **मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना** प्रारंभ की, जिसमें वर्तमान में **16,929 लाभार्थी** हैं। यह योजना संचयी रूप से **जन्म के समय लिंगानुपात को 2015-16 में मात्र 888 की अपेक्षा 2020-21 में बढ़कर 984** तक सुधारने में सहायक रही है।

स्वास्थ्य

14. जब देश COVID-19 जैसी महामारी से लड़ाई लड़ रहा था, तब उस लड़ाई में उत्तराखण्ड ने त्वरित और कुशल टीकाकरण सुनिश्चित कर आगे बढ़कर लड़ाई का नेतृत्व किया। भाजपा सरकार के प्रयासों से प्रदेश में **शत-प्रतिशत प्रथम खुराक का टीकाकरण** हो चुका है, जबकि **80 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या का दोहरा टीकाकरण हो चुका है।**

15. "गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा की अंतिम छोर तक पहुँच" को सुनिश्चित करने के लिए, भाजपा सरकार ने राज्य की **अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना के कार्यक्षेत्र में 10,45,932 और परिवारों** को जोड़कर **आयुष्मान भारत योजना-पी.एम.जे.ए.वाई. के कार्यक्षेत्र का विस्तार** करने का एक साहसिक कदम उठाया है। इससे उत्तराखण्ड एकल सार्वभौमिक स्वास्थ्य आश्वासन कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य की पूर्ण जनसँख्या को कवर करने वाला पहला राज्य बन गया है।

16. गुणवत्तापूर्ण सस्ती चिकित्सा शिक्षा के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता इस बात से स्पष्ट है कि सरकार ने मेडिकल छात्रों की वार्षिक फीस कम कर दी है। उत्तराखण्ड में अब चिकित्सा शिक्षा की फीस पूरे भारत की अपेक्षा सबसे कम है। उत्तराखण्ड सरकार ने **अल्मोड़ा** में एक मेडिकल कॉलेज भी स्थापित किया है। इसके अतिरिक्त **रुद्रपुर, हरिद्वार और पिथौरागढ़ में तीन और मेडिकल कॉलेजों** पर काम चल रहा है।

बुनियादी ढांचा

17. जल जीवन मिशन के शुभारंभ के बाद से मात्र दो वर्षों की अवधि में, भाजपा सरकार ने राज्य के लगभग **6.51 लाख घरों में नल के पानी का कनेक्शन सुनिश्चित किया है।** यह राज्य के **सभी नल जल कनेक्शनों का 83.32 प्रतिशत है।**

18. उत्तराखण्ड में पिछले 5 वर्षों में स्वीकृत सड़कों की लंबाई में भारी वृद्धि देखी गयी है। **पिछले 5 वर्षों में पूर्व के 17 वर्षों से भी अधिक** सड़कों का निर्माण किया गया है। 2000-2017 तक राज्य में केवल **7529 किलोमीटर** सड़कों का निर्माण हुआ, जबकि **2017 से राज्य में कुल 9751 किलोमीटर सड़कें बनाई गई हैं।**

19. राज्य के प्रत्येक घर में ऑप्टिकल फाइबर केबल के माध्यम से नेटवर्क प्रदान करने के उद्देश्य से, भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने **'उत्तराखण्ड राइट ऑफ वे, 2018'** की घोषणा की है। **भारतनेट 2.0** के अंतर्गत उत्तराखण्ड के **12,000 गांवों** को इंटरनेट कनेक्टिविटी मिलेगी। इसके अतिरिक्त, उत्तराखण्ड की भाजपा सरकार ने राज्य की सूचना प्रौद्योगिकी नीति में एक संशोधन किया है ताकि पहाड़ी राज्य के सुदूरवर्ती क्षेत्रों के **438 'अंधेरे गांवों'** में मोबाइल नेटवर्क टावर लगाने का निर्णय करने वाली कंपनियों को 40 लाख रुपए तक का प्रोत्साहन प्रदान किया जा सके।

20. राज्य में **1500 करोड़ रुपये की घरेलू गैस पाइपलाइन परियोजना** पर काम चल रहा है। यह परियोजना देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, पिथौरागढ़, चंपावत, अल्मोड़ा, चमोली और बागेश्वर शहरों में लागू की जा रही है।

शिक्षा

21. शिक्षा पर उत्तराखण्ड के समग्र बजट व्यय में भाजपा सरकार में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई, शिक्षा पर इस निरंतर ध्यान के परिणामस्वरूप राज्य के समग्र शिक्षा आंकड़ों में सुधार हुआ।

22. उत्तराखण्ड में छात्र नामांकन दर में स्नातक पाठ्यक्रमों में **24.4% की वृद्धि, स्नातकोत्तर नामांकन में 27.6% की वृद्धि और पी.एच.डी नामांकन में 72.2% की अद्भुत वृद्धि हुई है।**

23. गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा के महत्व को समझते हुए, भाजपा ने **अटल उत्कृष्ट स्कूल बनाए जो सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम का पालन करते हैं। इस योजना के तहत कुल 188 स्कूल बनाए गए हैं** और सभी वर्गों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।

24. भाजपा सरकार ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सभी पदों पर **शिक्षकों की संख्या में लगभग 20% की वृद्धि** की है, जिससे 2016-17 की अपेक्षा में यह संख्या 15,290 से बढ़ कर 2019-20 में 18,314 हो गयी है।

युवा, रोजगार और खेल

25. भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान उत्तराखण्ड के युवाओं के कौशल विकास को प्राथमिक लक्ष्य के रूप में लिया। **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई)** के अंतर्गत पिछले 5 वर्षों में कुल लगभग **3 लाख युवाओं की कौशल वृद्धि की गई है। पूर्व शिक्षा की मान्यता (आर.पी.एल.) के लिए पी.एम.के.वी.वाई. के अंतर्गत 51,793 उम्मीदवारों को प्रमाणित किया गया है। 1,45,139 युवाओं को लघु कालिक प्रशिक्षण (एस/टीटी) प्रदान किया गया, जिनमें से 1,15,518 को प्रमाणित किया गया और 53,649 को नौकरी भी प्रदान की गयी। 4,739 उम्मीदवारों को विशेष परियोजनाओं (एसपी) में प्रशिक्षित किया जा रहा है।**

26. भाजपा उत्तराखण्ड को खेलों में भारत का पावर हाउस बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य की भाजपा सरकार ने **खेल नीति-2021** का अनुमोदन किया जो प्रतिभाशाली छात्रों के लिए शैक्षणिक संस्थानों में **5% खेल कोटा** आरक्षित करने का आश्वासन देती है। इस नीति के अंतर्गत राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए **मुख्यमंत्री खेल विकास निधि कोष** भी बनाया जाएगा।

पर्यटन

27. उत्तराखण्ड में भाजपा सरकार ने **पर्यटन नीति, 2018** को अधिसूचित करते हुए एक उदाहरण स्थापित किया। इस नीति से पर्यटन को एक **उद्योग की श्रेणी में लाया गया,** इस प्रकार विभिन्न उद्यमियों को एम.एस.एम.ई. श्रेणी में मिलने वाले लाभों के लिए पात्र बनाया है।

28. इसके अतिरिक्त, पर्यटन आधारित स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने अत्यंत सफल **पं0 दीन दयाल होमस्टे योजना** और **वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना** आरंभ की है। इन योजनाओं से उद्यमिता का विकास और आजीविका में सुधार हुआ है।

29. इसके अतिरिक्त, **जॉली ग्रांट हवाई अड्डे पर एक नए टर्मिनल** को पूरा करने के साथ, भाजपा सरकार ने राज्य में पर्यटकों की भीड़ को संघटित करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। इसका प्रमाण है कि राज्य में पर्यटन की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो लगभग **4 लाख तक पहुंच गई है।**

30. पर्यटन क्षेत्र में भाजपा सरकार द्वारा किए गए प्रयास घरेलू के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में भी वृद्धि से स्पष्ट है, जिसमें 2016 की अपेक्षा 2019 में 18.72% की वृद्धि हुई है। इस वृद्धि ने 2019-20 में जी.एस.डी.पी. की विकास दर 7.14% करने में योगदान दिया है।

उद्योग एवं अर्थव्यवस्था

31. भाजपा सरकार ने राज्य के औद्योगिक प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए हैं, जिनमें यह सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया कि औद्योगिक विकास का आर्थिक लाभ राज्य के सुदूर भागों तक पहुंचे। भाजपा ने **स्टार्ट अप नीति, 2018** बनाई और **एमएसएमई नीति, 2015** में संशोधन किया और राज्य में महिला उद्यमियों को पूंजीगत सब्सिडी और ब्याज सब्सिडी जैसे विभिन्न प्रोत्साहन भी प्रदान किए हैं। इस प्रकार एक अनुकूल निवेश वातावरण को जन्म दिया है, जो उद्योगों को राज्य की ओर आकर्षित कर रहा है।

32. **दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे** के तीव्रता से पूरा होने के साथ, देहरादून देश के एक प्रमुख आर्थिक केंद्र दिल्ली से जुड़ जाएगा, जिससे **व्यापार और वाणिज्य की मात्रा में भारी वृद्धि होगी।**

33. कुल मिलाकर निर्यात के विषय में उत्तराखण्ड का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है। भाजपा सरकार में **कुल निर्यात के मूल्य में 43.47% की वृद्धि हुई है जो 2016-2017 में 6,011 करोड़ रुपए की अपेक्षा, COVID-19 महामारी के दौरान भी, 2020-21 में बढ़कर 8,624 करोड़ रुपए हो गया है।**

निर्धनों का कल्याण

34. भाजपा सरकार ने **असंगठित श्रमिकों का देश का पहला डेटाबेस, ई-श्रम** लॉन्च किया है। **उत्तराखण्ड के 26.62 लाख से अधिक असंगठित श्रमिक पोर्टल पर पंजीकृत हैं।**

कानून एवं व्यवस्था

35. भाजपा ने सत्ता में आने के बाद से **पुलिस बल में महिला कर्मियों की संख्या में 33 प्रतिशत की वृद्धि की है।** इसके अतिरिक्त, भाजपा सरकार ने 2017 की तुलना में **महिलाओं के विरुद्ध यौन उत्पीड़न में 69 फीसदी की कमी लाने में सफलता प्राप्त की है।**

36. भाजपा सरकार ने जबरन और अवैध धर्मांतरण को रोकने और उत्तराखण्ड की महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षण और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए **उत्तराखण्ड धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 2018** पारित किया।

37. राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने में भाजपा सरकार के प्रदर्शन ने पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। **उत्तराखण्ड NITI Aayog SDG इंडेक्स रिपोर्ट में शीर्ष प्रदर्शन करने वाला राज्य है।** साथ ही, **उत्तराखण्ड ने SDG16 यानी शांति, न्याय और मजबूत संस्थानों की श्रेणी में शीर्ष स्थान** प्राप्त किया है। राज्य में पुलिस पर भाजपा सरकार द्वारा दिए गए ध्यान के परिणामस्वरूप **उत्तराखण्ड के 2 पुलिस स्टेशन (बनभूलपुरा, हल्द्वानी और ऋषिकेश) देश के शीर्ष 10 पुलिस स्टेशनों** की सूची में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा शामिल किए गए है।

अनुक्रमणिका

18 सुशासन और चहुँमुखी विकास : दमदार नेतृत्व, पारदर्शी सरकार

19 पूर्व सैनिक : सैनिको का सम्मान, देश का सम्मान

22 कृषि : अन्नदाता सुखीभवः

25 स्वास्थ्य : सर्वे सन्तु निरामयाः

27 शिक्षा : राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020 को लागू करने वाला पहला राज्य

31 पर्यटन : अनुभव उत्तराखण्ड का

33 युवा, रोजगार और खेल : युवा शक्ति, राज्य की समृद्धि

36 उद्योग और अर्थव्यवस्था : विकसित उद्योग, सुगम व्यापार

38 बुनियादी ढांचा : सर्वे भवन्तु सुखिनः

43 महिला : यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवताः

45 सामाजिक न्याय : सबका साथ सबका विकास

48 कानून व्यवस्था : धर्मो रक्षति रक्षितः

50 भाषा और संस्कृति : उत्कृष्ट संस्कृति, उन्नत सोच

माननीय मुख्यमंत्री जी का संदेश

नमस्कार मित्रों!

भारत की पावन धरती पर ईश्वर का जो दैवीय आशीर्वाद प्राप्त हुआ है, उत्तराखण्ड उसका उद्गम स्थल है। माँ गंगा की पावन भूमि अपने प्राकृतिक संसाधनों सहित सनातन सांस्कृतिक विचारों का आध्यात्मिक केंद्र है। हमारा सौभाग्य है कि हम इस पावन धरती की संतानें हैं। उत्तराखण्ड राजनैतिक रूप से एक परिपक्व राज्य भी रहा है। राष्ट्रहित के मार्ग पर उत्तराखण्ड ने सदैव अपना मत दिया है। एकबार पुनः उत्तराखण्ड के हाथ में अपना कर्तव्य निभाने की जिम्मेदारी है।

भाजपा ने जब 2017 में इस जिम्मेदारी को अपने हाथों में लिया था, तब राज्य का विकास और हर एक नागरिक की आशा और आकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए कई विकासोन्मुख कार्य किए। प्रदेश में आधारभूत संरचनाओं के विकास हेतु बजट में दोगुना बढ़ोतरी हुई है, चार धाम ऑल वेदर रोड प्रोजेक्ट का कार्य अपनी परिणति की ओर है, ऋषिकेश- कर्णप्रयाग रेल लाइन का निर्माण ज़ोरों-शोरों से चल रहा है और टनकपुर'- बागेश्वर रेल लाइन निर्माण हेतु सर्वे भी प्रारंभ हो गया है। दिल्ली देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का निर्माण तेजी से चल रहा है। युवाओं को रोजगार हेतु भी हमने कई योजनाओं को प्रारंभ किया है। वीरता पदक विजेता सैनिकों की सम्मान राशि मे कई गुणा वृद्धि की है और बलिदानी सैनिकों के परिवारों की चिंता करने का भी काम किया है।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए हमने मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना, नंदा गौरा योजना , मुख्यमंत्री घसियारी कल्याण योजना जैसी योजनाओं को कार्यान्वित किया है। बेटियों के संवर्धन हेतु बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, किशोरी शक्ति योजना, गौरा देवी कन्या धन योजना जैसी योजनाओं को जमीन पर उतारा है।

किसानों के सशक्तिकरण हेतु दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना और उत्तराखण्ड किसान पेंशन योजना लागू की है। पर्यटन विकास हेतु दीनदयाल उपाध्याय होम स्टे अनुदान योजना और वीर चंद्र सिंह गढ़वाली टूरिज्म सेल्फ एंप्लॉयमेंट स्कीम लागू की है।

कोरोना काल में जन-जन तक भोजन और राशन सामग्री पहुंचाया है। कोरोना काल में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लालन-पालन के लिए मैंने खुद वात्सल्य योजना के तहत उनकी जिम्मेदारी ली है।

इन 5 वर्षों में हमारी पार्टी ने उत्तराखण्ड के विकास के लिए अपना सब कुछ समर्पित किया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पूर्व सैनिकों का मान और देवभूमि में खुशहाली सुनिश्चित की है। हम यह संकल्प लेते हैं कि उत्तराखण्ड को देश का सबसे बड़ा टूरिस्ट हब बनाएंगे। प्रदेश में सबसे बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को स्थापित करेंगे। देश में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के सबसे बड़े केंद्र के रूप में उत्तराखण्ड को विकसित करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में हम सभी प्रदेश के विकास को आगे ले जाने का काम कर रहे हैं। इसी के अनुरूप हम देवभूमि उत्तराखण्ड की जनता के समक्ष अपना दृष्टिपत्र प्रस्तुत कर रहे हैं। यह दृष्टिपत्र प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के संकल्प के अनुरूप इस दशक को उत्तराखण्ड का दशक बनाने के हमारे निश्चय को भी प्रतिबिम्बित करता है। उत्तराखण्ड की जनता के प्रति हमारी साझा जिम्मेदारी है। मेरा आपसे निवेदन है कि इस बार आप अपना आशीर्वाद पुनः भाजपा के संकल्पित एवं कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं पर बनाए रखियेगा। भगवान बदरी विशाल और बाबा केदार की कृपा हम सब पर और सम्पूर्ण राज्य और देश पर सदा बनी रहे, यही प्रार्थना है।

भारत माता की जय!

वंदे मातरम!

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

माननीय प्रदेश अध्यक्ष जी का संदेश

देवभूमि उत्तराखण्ड के सम्मानित बहनों व भाईयो।

उत्तराखण्ड अपनी स्थापना के 22 वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। जन भावनाओं का सम्मान करते हुए वर्ष 2000 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मा. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण किया था और अब प्रधामनंत्री मा. श्री नरेन्द्र मोदी राज्य को बहुत सुंदर तरीके से संवार रहे हैं।

हम जानते हैं कि स्थापना के बाद से उत्तराखण्ड की यात्रा उतार चढ़ाव से पूर्ण रही है। इस नवोदित राज्य ने इन वर्षों में जहां भाजपा सरकारों के समय विकास और सुशासन को देखा, वहीं कांग्रेस सरकारों के समय राज्य ने भारी भ्रष्टाचार व कुशासन का ताप भी सहा है। भाजपा के दौर में आदरणीय श्री अटल जी द्वारा विकास हेतु प्रदेश को दिये विशेष राज्य का दर्जा और विशेष आर्थिक पैकेज से मिलने वाले लाभों को उत्तराखण्ड ने अनुभव किया तो कांग्रेस सरकार द्वारा आर्थिक पैकेज वापिस ले लेने से विकास के अवरुद्ध हो जाना भी देखा।

अब मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन वाली भाजपा सरकार उत्तराखण्ड को प्रगति पथ पर तेजी से आगे बढ़ा रही है। लेकिन हमें उत्तराखण्ड में डबल इंजन की सरकार द्वारा किये जा रहे विकास क्रम को सतत आगे बढ़ाना है। मा. प्रधानमंत्री श्री मोदी जी, जिनका उत्तराखण्ड से विशेष स्नेह रहा है, उनका राज्य के विकास हेतु दूरगामी विजन है। उन्होंने कहा है कि 21वी सदी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का दशक है। हमें मा. प्रधानमंत्री जी के इस विजन को पूरा करने हेतु अपनी भूमिका निभानी है।

वर्तमान में उत्तराखण्ड में डबल इंजन की सरकार प्रदेश को विकास मार्ग पर तेजी से आगे ले जाने का कार्य कर रही है, हमें उस गति को बनाये रखना है। इसके लिए आवश्यक है कि विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की पुनः ऐतिहासिक विजय हो, जिससे केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन सरकारें उत्तराखण्ड को देश का समृद्ध, सुरक्षित व सुशासित राज्य बनाने के लिए प्रयासरत रहे। राज्य आंदोलनकारियों, शहीदों व जनता के सपनों को पूरा कर सके। साथ ही प्रदेश का हर वर्ग जिनमें मातृशक्ति, युवा, सैनिक, किसान, कर्मचारी, व्यापारी, प्रबुद्ध समाज एवं आध्यात्मिक वर्ग आदि शामिल हैं, वह एक सुखद जीवन जी सके। हमें उत्तराखण्ड को राज्य विरोधी कांग्रेस व अन्य दलों से भी बचाना है जिन्होंने सत्ता में रहते हुए भ्रष्टाचार व कुशासन की सभी सीमाएं तोड़ दी थी। हमें जनता को भ्रमित करने के लिए प्रयासरत विभिन्न ताकतों से भी उत्तराखण्ड की रक्षा करनी है। इन दलों ने अपने उत्तराखण्ड विरोधी कार्यों से राज्य के विकास को अवरुद्ध करने के साथ देवभूमि के सम्मान व गरिमा को भी गहरी चोट पहुंचाई।

पिछले विधानसभा चुनाव में हमने अपना **'दृष्टि पत्र'** आपके सामने प्रस्तुत किया था। हमें प्रसन्नता है कि हमने उस दृष्टि पत्र में उल्लेखित बातों को पूरा किया है। अब हम वर्तमान विधानसभा चुनाव के संदर्भ में हम आपके समक्ष पुनः **'दृष्टि पत्र 2022'** लेकर आये हैं और हम आपको वचन देते हैं कि सरकार में आने के साथ इसमें उल्लेखित विषयों को हम अवश्य पूरा करेंगे।

अतः आपसे विनम्र आग्रह है कि उत्तराखण्ड विधान सभा चुनाव में आप भारतीय जनता पार्टी को अपना आशीर्वाद, समर्थन व वोट देकर विकसित व सुरक्षित उत्तराखण्ड के लक्ष्य को पूरा करने लिए हमें पुनः अवसर दें।

"किया है, करती है और करेगी भाजपा"
धन्यवाद।

मदन कौशिक
अध्यक्ष,
भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखण्ड

प्राक्कथन

भारतीय जनता पार्टी उत्तराखण्ड के इस दृष्टि पत्र के माध्यम से, हम विकसित, समृद्धशाली ,आत्मनिर्भर आदर्श राज्य के निर्माण का संकल्प प्रस्तुत कर रहे हैं । इस दृष्टि पत्र को आपके बीच रखते हुए हमें गर्व और आत्मसंतोष की अनुभूति हो रही है, क्योकि यह प्रदेश के प्रत्येक वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है । प्रदेश के कोने-कोने से 78610 सुझाव प्राप्त हुए । जनपद तथा प्रदेश स्तर पर विभिन्न वर्गों , संगठनों और वुद्धिजीवियों के प्रतिनिधियों से भी महत्वपूर्ण वार्तालाप किया गया । गंभीर विचार-विमर्श, विश्लेषण एवं मंथन के बाद यह दृष्टि पत्र आपके समक्ष प्रस्तुत है । इस दृष्टि पत्र में किए गए संकल्पों के माध्यम से हम एक सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और एक आदर्श राज्य के लिए प्रतिबद्ध हैं ।

जब 2017 में भाजपा ने अपना दृष्टि पत्र आपके सामने रखा था तब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी जो कि भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई थी। तत्समय की कांग्रेस सरकार के पास न कोई ठोस नीति थी और न ही उत्तराखण्ड राज्य के विकास का दृष्टिकोण। जिसका परिणाम यह निकला कि उत्तराखण्ड की सम्मानित जनता ने कांग्रेस की सरकार से त्रस्त होकर, 2017 में भारतीय जनता पार्टी को एक ऐतिहासिक जनादेश दिया।

हम उत्तराखण्ड की सम्मानित जनता को पिछले 5 वर्षों के दौरान भारतीय जनता पार्टी का अपार समर्थन करने के लिए आभार व्यक्त करते हैं। हमारी सरकार ने पिछले 5 वर्षों में प्रदेश का चहुंमुखी विकास किया है । कोविड-19 महामारी से मुस्तैदी के साथ निपटने के लिए हमारी सरकार के प्रयासों की सर्वत्र सराहना हुई। प्रदेश के विकास की आधारशिला जो हमने इन 5 वर्षों में रखी उसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। जीरो टॉलरेंस की नीति का कड़ाई से पालन करते हुए हमने एक पारदर्शी सुशासन राज्य में स्थापित किया। हमारे समर्पण और कड़ी मेहनत ने उत्तराखण्ड को अनेक क्षेत्रों में शीर्ष रैंकिंग राज्य के रूप में स्थापित किया है। भारतीय जनता पार्टी ने गैरसैण को प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी बना कर सेवा की शपथ को सर्वोच्च सम्मान देकर जन भावनाओं का आदर किया है। हमारी सरकार ने अपने दृष्टि पत्र -2017 में किए गए सभी संकल्पों को लगभग पूरा कर जनादेश का पूरी तरह से सम्मान किया है, जो हमने कहा, वह पूरा किया ।

उत्तराखण्ड की सम्मानित भाई-बहिनो! 2022 का यह विधानसभा चुनाव, पिछले 5 सालों में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में डबल इंजन सरकार द्वारा किए गए अभूतपूर्व विकास कार्यों को और तेज गति प्रदान करने का चुनाव है, यह चुनाव राज्य आंदोलनकारियों और अटल जी के सपनों के अनुरूप उत्तराखण्ड राज्य को एक " आदर्श राज्य " बनाने का चुनाव है।

यह दृष्टि - पत्र महज औपचारिक घोषणाओं का दस्तावेज नहीं बल्कि आपके विश्वास और भारतीय जनता पार्टी के संकल्प का साक्षी है । इस हेतु हम सर्वश्रेष्ठ विकसित राज्य का संकल्प लेकर विनम्रतापूर्वक आपसे जो वायदे कर रहे हैं , यह भाजपा शासन के आधार स्तंभ होगे और आगे 5 वर्षों हेतु विकास के लिए सरकार का रोड मैप तैयार करेगे । आज आपके पास राज्य में फिर एक स्वच्छ और जवाब देह सरकार चुनने का स्वर्णिम अवसर है। भारतीय जनता पार्टी अपने संकल्प 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' को लेकर आपसे पुन. जनादेश का विनम्र निवेदन करती है।

डॉ रमेश पोखरियाल 'निशंक'
प्रमुख, दृष्टि पत्र समिति
भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखण्ड

सुशासन और चहुँमुखी विकास: दमदार नेतृत्व, पारदर्शी सरकार

क. सुरक्षित देवभूमि

1. हम मिशन मोड में राज्य के प्रत्येक जिले में **भूमि पर अवैध कब्जा होने के कारण हो रहे भू एवं जनसांख्यिकीय परिवर्तन** से संबंधित विषयों की जांच एवं समाधान के लिए **एक अधिकार प्राप्त समिति** का गठन करेंगे।

2. हम राज्य के सीमावर्ती जिलों एवं पर्वतीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के लिए **'सीमान्त क्षेत्र विकास बोर्ड'** का गठन करेंगे।

3. हम **"हिम प्रहरी योजना"** के अंतर्गत दीर्घकालीन राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए राज्य के भूतपूर्व सैनिकों एवं युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकटवर्तीय जिलों में बसने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे।

4. हम **सीमान्त एवं अन्य पर्वतीय जिलों** में **युवा उद्यमियों** के लिए **2500 करोड़ रुपयों** की धनराशि से एक **क्रेडिट गॉरन्टी फण्ड** की स्थापना करेंगे, जिसके द्वारा पर्वतीय क्षेत्र की जनता को रोजगार प्राप्त होगा तथा इन क्षेत्रों में व्यापार व उद्यम को प्रोत्साहन मिलेगा।

ख. सुशासन

1. हम विविध इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्यों को तीव्र गति से पूर्ण करने के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय के अंतर्गत **'उत्तराखण्ड इंफ्रास्ट्रक्चर वॉर रूम'** की स्थापना करेंगे। इसके अधीन **पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पी. पी. पी.) यूनिट** गठित की जाएगी, जिसमे उच्च कोटि के अनुभवी विशेषज्ञ को रखा जायेगा, जो महत्वपूर्ण योजनाओ को तैयार करने तथा प्रदत की जाने वाली वित्तीय सहायता की संस्तुति करेगी।

2. हम अगले पांच वर्षों में **भूमि रिकॉर्ड एवं सभी सरकारी रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण** करेंगे।

3. **प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'स्वच्छ भारत' संकल्प** के अनुरूप हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हर सरकारी कार्यालय में **वरिष्ठतम अधिकारी** उस कार्यालय की **स्वछता के लिए उत्तरदायी** हो।

पूर्व सैनिक: सैनिको का सम्मान, देश का सम्मान

क. बलिदानी सैनिको के आश्रितों का कल्याण

1. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि **सरकारी नौकरियों में बलिदानी सैनिकों के बच्चों के लिए नॉन-लैप्सेबल आरक्षण कोटा** दिया जाए।

2. हम **बलिदानी सैनिकों के आश्रितों को केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली पात्रता के अतिरिक्त अनुग्रह राशि भी** प्रदान करेंगे।

प्रवर्ग	राशि (रु)
आकस्मिक मृत्यु या आतंकवादियों या असामाजिक तत्वों द्वारा हिंसा के कारण मृत्यु	15 लाख
युद्ध या सीमा पर झड़पों में या अधिक ऊंचाई पर दुर्गम सीमा चौकियों में दुश्मन की कार्रवाई के दौरान मृत्यु	25 लाख
अंतरराष्ट्रीय युद्ध में दुश्मन की कार्रवाई के दौरान या युद्ध में सहभागिता होने के कारण मृत्यु	35 लाख

3. भारत माता के प्रति हमारे जवानों के पराक्रम और बलिदान का सम्मान करने के लिए हम देहरादून के गुनियाल गांव में **भव्य सैन्य धाम और संग्रहालय का निर्माण कार्य** समयबद्ध तरीके से पूरा करवाएंगे।

4. हम बलिदानी सैनिकों की बेटियों के लिए वर्तमान विवाह अनुदान राशि को **25,000 रुपए से बढ़ाकर 2 लाख रुपए** करेंगे, यह लाभ एक दिवंगत सैनिक की दो बेटियों को दिया जाएगा।

5. हम राज्य के **बलिदानी सैनिकों के बच्चो के लिए छात्रवृत्ति में यथोचित वृद्धि** करेंगे, जिसकी जानकारी निम्नानुसार है:

शिक्षा	मानक	वर्तमान राशि	संवर्धित राशि
सामान्य शिक्षा	I-VIII	3000 रुपए प्रति वर्ष	5000 रुपए प्रति वर्ष
	IX-XII	6000 रुपए. प्रति वर्ष	10,000 रुपए प्रति वर्ष
उच्च शिक्षा	स्नातक	4000 रुपए प्रति वर्ष	40,000 रुपए प्रति वर्ष
	स्नातकोत्तर	4000 रुपए प्रति वर्ष	40,000 रुपए प्रति वर्ष
	रिसर्च और एम.फिल	10,000 रुपए प्रति वर्ष	1,00,000 रुपए प्रति वर्ष

6. हम राज्य के **बलिदानी जवानों के बच्चो के लिए विशेष छात्रवृत्ति राशि में भी वृद्धि** करेंगे, जिसकी जानकारी निम्नानुसार है:

प्रकार	वर्तमान राशि (रु.)	संवर्धित राशि (रु.)
स्कूली शिक्षा (उच्च विद्यालय में 80% या उससे अधिक अंक)	12,000 प्रति वर्ष	60,000 प्रति वर्ष
स्नातक (माध्यम में 80% या उससे अधिक अंक)	15,000 प्रति वर्ष	75,000 प्रति वर्ष
स्नातकोत्तर (स्नातक के आखिरी वर्ष में 70% या अधिक अंक)	18,000 प्रति वर्ष	90,000 प्रति वर्ष

7. हम राज्य के **बलिदानी जवानों के बच्चो को NDA, CAT, JEE, NEET, CLAT, State PCS, UPSC आदि प्रतियोगी परीक्षाओ की कोचिंग के लिए 5 लाख रुपए का ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण** प्रदान करेंगे।

ख. भूतपूर्व सैनिकों का कल्याण

1. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भूतपूर्व सैनिक कोटे के अंतर्गत, **सरकारी नौकरी में भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित सभी सीटों में से 70% सीट नॉन-लैप्सेबल** हो।

2. हम **भूतपूर्व सैनिकों** के लिए, **पूर्व शिक्षण की मान्यता (Recognition of Prior Learning - RPL) प्रदान करने** हेतु **'मेजर सोमनाथ शर्मा स्किल सर्टिफिकेशन योजना' शुरू** करेंगे ताकि उनके लिए उच्च कुशल नौकरियां लेना आसान हो सके।

3. **हम उपनल के माध्यम से नियुक्त पूर्व सैनिकों और सुरक्षाकर्मियों के हितों की रक्षा के लिए नई नीति बनाएंगे।**

4. हम **पूर्व सैनिकों को सशस्त्र बलों से सेवानिवृत्ति के समय 50,000 रुपए के एकमुश्त वित्तीय अनुदान** के साथ एक **जॉब-किट** भी प्रदान करेंगे।

5. पूर्व सैनिकों को आसान ऋण प्रदान करने के उद्देश्य से, हम **"जनरल बिपिन सिंह रावत पूर्व सैनिक क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट"** की स्थापना करेंगे, इस प्रकार **5 लाख रुपये तक के ऋण के लिए 50% की सीमा तक गारंटीकृत कवर** प्रदान करेंगे।

6. हम **पूर्व सैनिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति में यथोचित वृद्धि** करेंगे, जिसकी जानकारी निम्नानुसार है:

प्रकार	मानक	वर्तमान राशि	संवर्धित राशि
सामान्य शिक्षा	I-VIII	3000 रुपए प्रति वर्ष	5000 रुपए प्रति वर्ष
	IX-XII	6000 रुपए. प्रति वर्ष	10,000 रुपए प्रति वर्ष
उच्च शिक्षा	स्नातक	4000 रुपए प्रति वर्ष	20,000 रुपए प्रति वर्ष
	स्नातकोत्तर	4000 रुपए प्रति वर्ष	20,000 रुपए प्रति वर्ष
	रिसर्च और एम.फिल	10,000 रुपए प्रति वर्ष	50,000 रुपए प्रति वर्ष

7. हम **पूर्व सैनिकों के बच्चों के लिए विशेष छात्रवृत्ति में भी वृद्धि** करेंगे, जिसकी जानकारी निम्नानुसार है:

प्रकार	वर्तमान राशि (रु.)	संवर्धित राशि (रु.)
स्कूली शिक्षा (उच्च विद्यालय में 80% या उससे अधिक अंक)	12,000 प्रति वर्ष	60,000 प्रति वर्ष
स्नातक (माध्यम में 80% या उससे अधिक अंक)	15,000 प्रति वर्ष	75,000 प्रति वर्ष
स्नातकोत्तर (स्नातक के आखिरी वर्ष में 70% या अधिक अंक)	18,000 प्रति वर्ष	90,000 प्रति वर्ष

कृषि: अन्नदाता सुखीभवः

क. कृषक कल्याण

1. हम **"पीएम किसान सम्मान निधि"** योजना की तर्ज पर, एक **"सीएम किसान प्रोत्साहन निधि"** की शुरुआत करेंगे, जिसके अंतर्गत सभी लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण कृषि उपकरण खरीदने और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु **2,000 रुपये की राशि प्रति वर्ष** दी जाएगी, जो पीएम किसान सम्मान निधि से प्राप्त **6,000 रुपये के अतिरिक्त** होगी।
2. हम **'पर ड्राप मोर क्रॉप' योजना के अंतर्गत ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई तकनीकों के उपयोग का विस्तार** करने के लिए अगले **10 वर्षों में 8000 करोड़ रुपए** निवेश करेंगे।
3. हम **उत्तराखण्ड के सभी ब्लॉकों में पी.पी.पी. मॉडल पर आधारित कृषि उपकरण लीज़िंग सेंटर** स्थापित करेंगे।
4. हम **सीमांत व लघु स्तर के किसानों को कृषि उपकरणों की खरीद पर सब्सिडी** प्रदान करेंगे।
5. राज्य के **किसानों को मिट्टी परीक्षण और खेती संबंधित उचित मार्गदर्शन** समयबद्ध रूप से प्रदान करने हेतु, हम राज्य भर में **कृषि क्लीनिक** स्थापित करेंगे।
6. हम **प्रत्येक नए किसान उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.) के लिए 5 लाख रुपए का अनुदान** देंगे और **सार्वजनिक खरीद में एफ.पी.ओ. के लिए 15% कोटा निर्धारित** करेंगे।
7. हम **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का उचित क्रियान्वयन सुनिश्चित** करेंगे जिसके अंतर्गत न्याय पंचायतों को आपदा आकलन का आधार बनाया जाएगा।
8. **प्रदेश के अन्नदाता को सशक्त बनाने के लिए हम 2000 एकीकृत आदर्श कृषि गाँव** स्थापित करेंगे।
9. **मनरेगा योजना के अंतर्गत हम राज्य के सभी भूमिहीन मजदूरों को सुअर पालन, बकरी पालन, मत्स्य पालन और पशुपालन गतिविधियों में ढांचागत सहयोग के लिए 50,000 रुपए की सहायता राशि** प्रदान करेंगे।
10. हम **किसानों को मंडियों, कोल्ड स्टोरेज, पशु चिकित्सालयों और कृषि प्रयोगशालाओं के स्थानों की जानकारी देने के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च करेंगे।**

11. हम **उद्योग जगत के सहयोग से एक नया मेगा फूड पार्क और 5 नए कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित** करेंगे।

12. हम प्रदेश के **सभी किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए कृषि कल्याण बोर्ड** का गठन करेंगे।

13. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ग्रामीण क्षेत्रो में **जंगली जानवर तथा वानरों से फसलों के बचाव** को प्राथमिकता देते हुए **उपयुक्त कदम** उठाए जाएं।

ख. बाजार पहुँच, आपूर्ति श्रृंखला और निर्यात अभिविन्यास

1. किसानो को उनकी उपज का सही मूल्य सुनिश्चित करने के लिए, हम **'किसानों की मंडी'** मिशन की शुरूआत करेंगे, जिसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के सभी ब्लॉकों में पर्याप्त संग्रहण, भंडारण और परिवहन सुविधाओं के साथ स्थानीय किसान बाजार स्थापित किए जाएंगे।

2. हम अमूल की तर्ज पर सहकारी समितियों के निर्माण को प्रोत्साहित करेंगे और इसके साथ ही एक **कृषि निर्यात नीति** भी तैयार करेंगे जिसका उद्देश्य उत्तराखण्ड को एक **बागवानी और डेयरी हब** बनाना होगा।
   - हम उत्तराखण्ड के प्रत्येक गांव में एक संग्रह केंद्र के साथ प्रत्येक ब्लॉक में **डेयरी सहकारी समितियों की स्थापना के लिए 500 करोड़ रुपये की कोष निधि** का गठन करेंगे।
   - हम राज्य भर में **500 करोड़ रुपये के कोष के साथ पर्याप्त संख्या में बागवानी सहकारी समितियों की स्थापना** के लिए सभी आवश्यक उपाय करेंगे।

3. स्थानीय फूलों की खेती, बागवानी और जैविक उत्पादों पर ध्यान देने के साथ राज्य भर में **पचास अत्याधुनिक कृषि गोदाम और कोल्ड स्टोरेज** सुविधाओं के निर्माण में निवेश करने के लिए **1,000 करोड़ रुपये का कोष** भी बनाया जाएगा।

4. हम **देहरादून हवाई अड्डे पर एक कार्गो टर्मिनल स्थापित करेंगे जिसमें कृषि, बागवानी और फूलों की खेती के निर्यात की सुविधा के लिए कोल्ड चेन और वेयरहाउसिंग की एकीकृत सुविधाएं** होंगी।

5. हम कृषि और संबंधित उत्पादों के निर्यात को सुविधाजनक बनाने तथा उसमें बढ़ोत्तरी करने के लिए **एक समर्पित कृषि निर्यात प्रकोष्ठ** की स्थापना करेंगे।

6. हम उत्तराखण्ड में **कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA)** का **राज्य स्तरीय कार्यालय** स्थापित करेंगे।

ग. जैविक खेती

1. **उत्तराखण्ड ऑर्गेनिक मिशन को मजबूत** करने के लिए हम :
   - एक अखिल भारतीय बाजार बनाने हेतु **"उत्तराखण्ड ऑर्गेनिक्स"** ब्रांड बनाएंगे। **"उत्तराखण्ड ऑर्गेनिक्स" आउटलेट** राज्य के हर **प्रमुख पर्यटन स्थल** के साथ-साथ अन्य **राज्यों की राजधानियों** में स्थापित किया जाएगा।
   - हम **"प्राकृत कृषि प्रोत्साहन योजना"** शुरू करेंगे, जिसके तहत **3500 गांवों** को प्रशिक्षण और प्रोत्साहन के माध्यम से **100% शून्य-बजट प्राकृतिक कृषि** गांवों में बदल दिया जाएगा।

2. हम **सभी जिला कृषि कार्यालयों में जैविक खेती प्रमाणन डेस्क** स्थापित करेंगे।

घ. पशुपालन

1. हम अपेक्षित बुनियादी ढांचे और वित्तीय सहायता से **उत्तराखण्ड को डेयरी और पोल्ट्री उत्पादन में एक आत्मनिर्भर राज्य बनाएंगे।**
2. **हम "आंचल" डेयरी को सभी आवश्यक सहायता** प्रदान करेंगे ताकि इसका **पूरे भारत के बाजारों में विस्तार** हो सके।
3. हम **उत्तराखण्ड ग्रामीण आजीविका मिशन, पशु सखी योजना के लाभार्थियों की संख्या दोगुनी करेंगे।**
4. हम, **उत्तराखण्ड गौ संतान संरक्षण अधिनियम, 2007 के प्रावधानों को और मज़बूत करेंगे।**
5. हम **प्रत्येक जिले में मोबाइल पशु चिकित्सा वैन की संख्या मौजूदा 1 से बढ़ाकर 3** करेंगे।
6. **पहाड़ी और बद्री गायों के प्रजनन को प्रोत्साहन देने के लिए उत्तराखण्ड के पर्वतीय जिलों में विशेष पशु प्रजनन केंद्र** स्थापित किये जायेगे।

ङ. बागवानी और फूलों की खेती

1. बागवानी और फूलों की खेती को बढ़ावा
   - कीवी, अखरोट और सेब पर विशेष ध्यान देते हुए हम **राज्य भर में फल प्रसंस्करण केंद्र** स्थापित करेंगे।
   - हम **टिहरी और बागेश्वर में 2 अरोमा पार्कों की स्थापना** करेंगे।
2. चाय की खेती को बढ़ावा
   - **हम अल्मोड़ा, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में नए जैविक चाय बागानों को बढ़ावा** देकर राज्य में जैविक चाय की खेती का विस्तार करने के लिए कार्य करेंगे।
   - हम **मिनी चाय फैक्ट्रियों की स्थापना के लिए किसानों को वित्तीय सहायता** प्रदान करेंगे।

च. कृषि अवसंरचना

1. हम राज्य में **कीवी, अखरोट और सेब के लिए 3 उत्कृष्टता केंद्र** स्थापित करेंगे।
2. हम **फार्मा और खाद्य कंपनियों के सहयोग से एक सार्वजनिक खाद्य एवं औषधि परीक्षण प्रयोगशाला** स्थापित करेंगे।
3. हम **अल्मोड़ा में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हिमालयन फाइबर्स** के निर्माण में तेजी लाएंगे।
4. हम **'मेड इन उत्तराखण्ड' ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा जिले में चाय के लिए गुणवत्ता परीक्षण सुविधा केंद्र** स्थापित करेंगे। **टिहरी, चमोली और रुद्रप्रयाग में आर्गेनिक शहद के परीक्षण के लिए 3 प्रयोगशालाएं** स्थापित की जाएंगी।

छ. गन्ना मूल्य श्रृंखला की स्थापना

1. उत्तराखण्ड में गन्ने की मांग बढ़ाने के लिए हम **ऊधमसिंह नगर और देहरादून में 100 प्रतिशत खोई आधारित पेपर प्लांट** स्थापित करेंगे।
2. हम हरिद्वार और उधम सिंह नगर जिलों में **फर्स्ट जनरेशन (first generation) के दो इथेनॉल संयंत्र** स्थापित करेंगे।

स्वास्थ्य : सर्वे सन्तु निरामयाः

क. स्वास्थ्य सेवा की आधारभूत संरचना

1. उत्तराखण्ड को **हेल्थ एंड वेलनेस टूरिज्म हब** में बदलने के लिए, हम राज्य के हर जिले में जहां भी संभव हो मेडिकल कॉलेज स्थापित करेंगे, राज्य में मेडिकल सीटों की क्षमता में 30% की वृद्धि करेंगे और कुमाऊं में **एम्स का एक सैटेलाइट केंद्र** स्थापित करेंगे।
2. उत्तराखण्ड को **हेल्थ एवं वेलनेस हब** में बदलने के जनादेश के साथ, हम सभी प्रासंगिक और आवश्यक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के निर्माण हेतु **"उत्तराखण्ड राज्य स्वास्थ्य विकास निगम"** का गठन करेंगे।
3. **मातृ मृत्यु दर** तथा **शिशु मृत्यु दर** को **और कम करने** के लिए, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि राज्य के **हर जिला अस्पताल में नवजात चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हों।**
4. हम राज्य में **ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को बढ़ाने के लिए प्राइमरी हेल्थ सेण्टर (पी.एच.सी.)** को **हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर में परिवर्तित** करेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य में **चरणबद्ध तरीके से डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ की संख्या दोगुनी** की जाएगी।
5. **राज्य में वर्तमान जन औषधि केंद्रों** की संख्या को **190 से बढ़ाकर 400 तक दोगुना** किया जाएगा।
6. **भारत के सभी हिस्सों से विशेषज्ञ डॉक्टरों को उत्तराखण्ड राज्य के पर्वतीय जिलों में दो महीने से लेकर एक साल तक** के अल्पावधि अनुबंधों के माध्यम से सेवा प्रदान करने के लिए प्रोत्साहन हेतु एक नई पहल शुरू की जाएगी।
7. हम **'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस योजना'** का लाभ प्रदेश की जनता को प्रदान करने के लिए चरणबद्ध तरीके से **हर जिले में डायलिसिस केंद्र** की स्थापना करेंगे।

ख. उत्तराखण्ड की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ बनाना

1. हम आवश्यक चिकित्सा देखभाल की अंतिम छोर तक डिलीवरी सुनिश्चित करने हेतु राज्य के प्रत्येक जिले में **डॉक्टर, नर्स, लैब तकनीशियन और उपयुक्त उपकरणों जैसे कि एक्स-रे, ईसीजी और रक्त परीक्षण सुविधा से युक्त 1 सचल अस्पताल का संचालन** करेंगे।
2. प्रदेश के **हर जिले में एक सरकारी अस्पताल को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में परिवर्तित** किया जाएगा।
3. हम **10 पर्वतीय जिलों में चरणबद्ध तरीके से हेलीकॉप्टर एम्बुलेंस सेवा का विस्तार** करेंगे ताकि राज्य में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को गति मिल सके।
4. हम चरणबद्ध तरीके से **108 एंबुलेंस सेवा कार्यक्रम का विस्तार** करेंगे।
5. हम **ब्लड बैंकों के वर्तमान नेटवर्क का सुदृढीकरण और विस्तारण करने के लिए** कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं में लक्षित निवेश करेंगे।

ग. स्वास्थ्य सेवा के कार्यबल में वृद्धि

1. राज्य के **पर्वतीय जिलों में प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष भर्ती अभियान** के अंतर्गत सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सभी रिक्त पदों को भरा जाएगा। राज्य के पर्वतीय जिलों में काम करने का विकल्प चुनने वाले चिकित्सा कर्मियों की सेवानिवृत्ति आयु में वृद्धि की जाएगी।
2. उत्तराखण्ड के पहाड़ी जिलों में सेवा करने वाले चिकित्सा कर्मियों को विशेष आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा।

3. हम हल्द्वानी, देहरादून और श्रीनगर के **सरकारी मेडिकल कॉलेजों की क्षमता का विस्तार** करने हेतु **एम.बी.बी.एस. और स्नातकोत्तर सीटों** में बढ़ोत्तरी करेंगे।

घ. निवारक और विशिष्ट स्वास्थ्य देखभाल पर विशेष ध्यान

1. हम चरणबद्ध तरीके से **'उत्तराखण्ड कैंसर देखभाल कार्यक्रम' शुरू** करेंगे और राज्य के हर जिले में किफायती कैंसर देखभाल केंद्र स्थापित करेंगे।

2. हम **आनुवंशिक विकारों के निदान, रोकथाम और उपचार** के लिए **ऋषिकेश में 'आनुवंशिकी और स्वास्थ्य केंद्र'** स्थापित करेंगे जो राज्य में प्रसव पूर्व आनुवंशिक जांच का केंद्र बनेगा।

3. हम **सार्वजनिक-निजी भागीदारी** का उपयोग कर **'उत्तराखण्ड डायग्नोस्टिक मिशन'** की स्थापना करेंगे ताकि एक विस्तृत और कनेक्टेड डायग्नोस्टिक सेवा नेटवर्क का निर्माण किया जा सके जो उत्तराखण्ड के लोगों को कम लागत वाली क्लिनिकल सेवाएं प्रदान कर सके।

ङ. पारंपरिक चिकित्सा

1. हम चरक डांडा में **एक नए आयुर्वेदिक अनुसंधान केंद्र** की स्थापना करेंगे। इसके अतिरिक्त, हम उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय-हर्रावाला और ऋषिकुल शासकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेदिक कॉलेज, हरिद्वार के उन्नयन की दिशा में कार्य करेंगे।

2. हम राज्य के **10 पर्वतीय जिलों** में सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने पर विशेष ध्यान देंगे। साथ ही मध्य स्तर के देखभाल प्रदाताओं के रूप में सेवा करने के लिए **एक विधिवत मान्यता प्राप्त ब्रिज कोर्स के माध्यम से आयुष चिकित्सकों को प्रमाणित** करेंगे।

च. मातृ-शिशु देखभाल

1. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि नवजात शिशुओं को **रोटावायरस, मेनिंगोकोकल, हेपेटाइटिस बी और न्यूमोकोकल वैक्सीन** निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाए।

2. हम **गर्भवती महिलाओं और 3 साल से कम उम्र के बच्चों की माताओं को** प्रत्येक द्वैमासिक प्राथमिक स्वास्थ्य जांच के दौरान एक सम्पूर्ण पोषण किट प्रदान करेंगे।

शिक्षा : राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020 को लागू करने वाला पहला राज्य

क. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020 को लागू करने के लिए बड़ी पहल

1. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि **उत्तराखण्ड, राष्ट्रीय शिक्षा नीति एन.ई.पी. (N.E.P.)-2020 को लागू करने वाला पहला राज्य** बने।

2. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि **एन.ई.पी के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए बच्चों की प्रारंभिक बाल्यावस्था** देखभाल हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। सरकार द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और शिक्षकों के लिए **ई.सी.सी.ई सर्टिफिकेट कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।**

3. **भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों जैसे सेवा, अहिंसा, स्वच्छता, सत्य, निष्काम, कर्म, आध्यात्मिकता एवं शान्ति का संवर्धन करने के लिए** राज्य में शिक्षा के सभी स्तरों पर **पाठ्यक्रम का चरणबद्ध तरीके से नवीनीकरण** किया जाएगा।

4. भारत सरकार की **'दीक्षा'** पहल का उपयोग राज्य में प्रत्येक बच्चे को **हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन लर्निंग** का विकल्प प्रदान करने के लिए किया जाएगा।

5. **राज्य के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में उच्च माध्यमिक स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत** करने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

6. सरकारी स्कूलों में बेहतर बुनियादी ढांचे को सक्षम करने के लिए, **एन.ई.पी. के अनुरूप 5 शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों में "सुपर स्कूल काम्प्लेक्स"** की संकल्पना को लागू किया जाएगा।

7. **सुखदेव पांडे स्कूल ऑफ एकेडमिक एक्सीलेंस** की स्थापना कर, विभिन्न आर्थिक पृष्ठभूमि के, विशेष परीक्षा से चयनित असाधारण प्रतिभासंपन्न स्कूली छात्रों को एक अकादमिक रूप से उन्नत पाठ्यक्रम के माध्यम से त्वरित शिक्षा के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

8. गुणवत्तापूर्ण वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए, **वार्षिक 50 करोड़ रुपए के अनुदान** से राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की तर्ज पर **उत्तराखण्ड राज्य अनुसंधान फाउंडेशन (USRF)** की स्थापना की जाएगी।

ख. प्राथमिक शिक्षा

1. राज्य के विभिन्न समुदायों में **बी.पी.एल माता-पिता के स्कूल जाने वाले बच्चों की बेहतर देखभाल हेतु 1000 रुपए का मासिक प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण** उनकी माताओं के बैंक खाते में किया जाएगा।

2. राज्य के सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों को चरणबद्ध तरीके से **स्वच्छ, ताजा मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने के लिए 'अक्षय पात्र' का राज्य के विभिन्न क्षेत्रो में विस्तार किया जाएगा।** साथ ही गुजरात मॉडल से प्रेरणा लेते हुए बच्चों और किशोरों को **प्रतिदिन पौष्टिक बालभोग लड्डू उपलब्ध कराए जाएंगे।**

3. राज्य के प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र को **उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे और खेल उपकरणों से लैस** करने के लिए **25,000 रुपए का वार्षिक कोष** आवंटित किया जाएगा। साथ ही साथ, हमारे द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों की सुविधाओं में सुधार के लिए योगदान देने में सक्षम, राज्य के समृद्ध नागरिकों को **'आदर्श आंगनवाड़ी अभियान'** के अंतर्गत एक आंगनवाड़ी गोद लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

ग. माध्यमिक शिक्षा

1. हम राज्य के प्रतिष्ठित सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थानों के साथ साझेदारी में एक नया **'इंडिक (भारतीय) शिक्षा बोर्ड'** स्थापित करेंगे ताकि भारतीय सभ्यता के सिद्धांतों से युक्त आधुनिक शिक्षा का विकल्प उपलब्ध हो सके।

2. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच को अंतिम छोर तक बढ़ाने के लिए **प्रत्येक न्याय पंचायत में सी.बी.एस.ई. से मान्यता प्राप्त अटल उत्कृष्ट विद्यालय खोले जायेंगे।**

3. **मैदानी क्षेत्रों** में रहने वाली नौवीं कक्षा की सभी स्कूली छात्राओं को **निःशुल्क साइकिल** वितरित की जाएगी और **पर्वतीय क्षेत्रों** में रहने वाली छात्राओं को **डी.बी.टी. के माध्यम से 2,850 रुपए** दिए जाएंगे।

4. हम भारत सरकार के अटल इनोवेशन मिशन के अंतर्गत राज्य के **हर ब्लॉक में कम से कम 1 "अटल टिंकरिंग लैब"** की स्थापना करेंगे।

5. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि **सभी शिक्षण संस्थान सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन** से लैस हों, जो **निःशुल्क** सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराएगी।

6. राज्य के प्रत्येक जिले में **'सैनिक स्कूलों'** की तर्ज पर **नए स्कूल** स्थापित किए जाएंगे।

घ. उच्च शिक्षा

1. हम सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के **स्नातक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत सभी छात्रों को नि:शुल्क टैबलेट कंप्यूटर प्रदान** करेंगे।

2. स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के लिए **देश के शीर्ष 50 एन.आई.आर.एफ विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाने वाले छात्रों** को पाठ्यक्रम के पहले वर्ष के **सफल समापन पर 50,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि** दी जाएगी।

3. **प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले उत्तराखण्ड के छात्रों को हिंदी और अंग्रेजी में ऑनलाइन शिक्षण सामग्री** उपलब्ध कराने के लिए **प्रमुख ई-लर्निंग कंपनियों** के साथ साझेदारी कर एक नई पहल शुरू की जाएगी।

4. हम राज्य के **हर जिले में कम से कम एक अत्याधुनिक बालिका छात्रावास** का निर्माण करेंगे।

5. राज्य के प्रत्येक विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में आउटसोर्सिंग के माध्यम से **शारीरिक शिक्षा और फिटनेस प्रशिक्षकों की भर्ती** की जाएगी।

6. हम **यू.पी.एस.सी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण** करने वाले राज्य के सभी छात्रों को **1,00,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि** प्रदान करेंगे।

7. **हम** उत्तराखण्ड के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में **हाई स्पीड वाईफाई** कनेक्टिविटी **सुनिश्चित** करेंगे।

8. **बी.पी.एल परिवार के प्रत्येक छात्र को** उच्च माध्यमिक शिक्षा पूर्ण होने के उपरांत, व्यावसायिक प्रशिक्षण **पूर्ण करने पर 25,000 रुपए नकद देने की पहल की जाएगी।**

9. **'प्रधान मंत्री अनुसंधान फेलोशिप'** कार्यक्रम के अनुरूप एक **'मुख्यमंत्री अनुसंधान फेलोशिप कार्यक्रम'** प्रारम्भ कर उत्तराखण्ड के छात्रों को राज्य के भीतर उन्नत शोध करने के लिए **40,000 रुपए** का मासिक अनुदान देकर प्रोत्साहित किया जाएगा।

10. **बी.एड शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों पर एक अनिवार्य इंटर्नशिप कार्यक्रम** प्रारम्भ किया जाएगा।

ङ. उच्च शिक्षा संस्थान

1. हम **देहरादून, हरिद्वार (भूपतवाला), उधम सिंह नगर (गदरपुर), अल्मोड़ा (दन्या), पौड़ी (कल्जीखाल), पौड़ी (खिर्सू), चमोली (देवाल) और हल्द्वानी** में पूर्व घोषित 8 नए कॉलेजों **की स्थापना प्रक्रिया में तेजी लाएंगे।**

2. हम **"वीर चंद्र सिंह गढ़वाली व्यावसायिक शिक्षा मिशन"** शुरू करेंगे जिसका लक्ष्य प्रत्येक ब्लॉक में आधुनिक प्रौद्योगिकी से युक्त एक कॉलेज की स्थापना करने के साथ उत्तराखण्ड के प्रत्येक सरकारी कॉलेज में युवाओं को रोज़गार उन्मुख शिक्षण में प्रोत्साहन देने हेतु पर्यटन, आतिथ्य एवं स्वास्थ्य से सम्बंधित रोजगारों में कुशल प्रशिक्षण देना होगा।

3. नैनीताल जिले में **टैगोर-टॉप-हिल पर** गुरु देव श्री रवींद्रनाथ टैगोर की स्मृति में **विश्व-भारती राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का एक परिसर** स्थापित किया जाएगा।

4. हम देवप्रयाग में स्थापित किए जा रहे संस्कृत विश्वविद्यालय में एक **वाल्मीकि अनुसंधान केंद्र** स्थापित करेंगे।

5. **उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय** को आई.आई.टी और अन्य प्रमुख तकनीकी संस्थानों की गुणवत्ता के समकक्ष लाने के लिए, साझेदारी कर **उन्नतीकृत किया जाएगा।**

6. हम **देहरादून में नए नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी** का शीघ्र निर्माण एवं संचालन सुनिश्चित करेंगे।

7. हम राज्य के प्रत्येक जिले में **'उत्तराखण्ड टूल रूम प्रशिक्षण एवं बहु कौशल विकास केंद्र'** स्थापित करेंगे, जहाँ एस.एस.एल.सी, आई.टी.आई, डिप्लोमा और बी.ई कर चुके छात्रों के रोजगार परख प्रशिक्षण दिया जाएगा।

8. हम **उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय** में **साइबर सुरक्षा का उत्कृष्टता केंद्र एवं क्वांटम कंप्यूटिंग का उत्कृष्टता केंद्र** स्थापित करेंगे।

च. शैक्षिक शासन

1. पब्लिक स्कूलों की क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के लिए, **आर.टी.ई के प्रवेश मानदंडों को संशोधित किया जाएगा।** आर.टी.ई प्रवेश मानदंड केवल उन ब्लॉकों में लागू किए जाएंगे जहां सरकारी स्कूल पूरी क्षमता तक पहुंच चुके हैं।

2. **एन.ई.पी के कार्यान्वयन को सुनिश्चित** करने के लिए निजी स्कूलों की निगरानी संरचित ढंग से की जाएगी। इसके अतिरिक्त, **स्कूलों के लिए अनुपालन मानदंडों** को व्यवस्थित और **अधिक पारदर्शी** बनाया जाएगा। **अनिवार्यता प्रमाण पत्र जैसे अनावश्यक नियमों को समाप्त किया जाएगा।**

3. राज्य में निजी विश्वविद्यालयों के प्रभावी संचालन तथा नए निजी विश्वविद्यालय खोलने हेतु, एक पारदर्शी प्रक्रिया को सक्षम करने के लिए **'उत्तराखण्ड राज्य निजी विश्वविद्यालय अधिनियम' को लागू किया जाएगा।**

पर्यटन: अनुभव उत्तराखण्ड का

क. पर्यटन आधारभूत संरचना

1. **हम 45 नए हॉटस्पॉट** पर फोकस कर राज्य में पर्यटकों की संख्या तिगुनी करेंगे:
   - **05 शहरों को मसूरी एवं नैनीताल जैसे पर्यटक स्थलों की तरह उन्नत** करने के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण करना।
   - हम **'ईको टूरिज्म प्रमोशन बोर्ड'** के माध्यम से पूरे उत्तराखण्ड के **20 दर्शनीय स्थलों को पर्यावरण केंद्रित पर्यटन (ईको-टूरिज्म) हॉटस्पॉट** में विकसित करेंगे।
   - हम **'साहसिक टूरिज्म प्रमोशन बोर्ड'** के माध्यम से राज्य भर में **20 चुनिंदा स्थानों को साहसिक पर्यटन के लिए हॉटस्पॉट** में बदलने के लिए एक विशेष पहल करेंगे।
   - इन 45 स्थानों पर होमस्टे और होटल स्थापित करने के इच्छुक उत्तराखण्ड के लोगों को वित्तीय सहायता देने हेतु एक **"देवेंद्र शास्त्री क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट"** का गठन किया जाएगा ।
2. ब्रांड **"देवभूमि उत्तराखण्ड"** को **"उत्कृष्ट देवभूमि" विज्ञापन अभियान** के माध्यम से अगले स्तर तक ले जाया जाएगा, जिसके अंतर्गत भारत के सभी राज्यों की राजधानियों और दुनिया की प्रमुख राष्ट्रीय राजधानियों में रोड शो, अनुभवात्मक विपणन अभियानों, मीडिया और सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से लक्षित आउटरीच की जाएगी, जिसका उद्देश्य **उत्तराखण्ड को घरेलू पर्यटन के लिए भारत का नंबर एक स्थान** बनाने के साथ **दुनिया भर में उच्च आय वाले पर्यटकों के लिए भी एक प्रमुख टूरिस्ट स्थल बनाना होगा।**
3. हम प्रदेश के **प्रत्येक जिले में दो 3 सितारा होटलों का निर्माण** करेंगे, जिनका उपयोग **पर्यटन व अतिथि-सत्कार प्रशिक्षण केंद्रों** के रूप में भी किया जाएगा।
4. महाभारत के ***लाक्षागृह पर्व*** के घटना स्थल, **लाखामंडल** को एक विश्वस्तरीय पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

5. हम ऋषिकेश में **उच्च स्तरीय बैठकों, प्रदर्शनों व सम्मेलनों (एम्.आई.सी.ई. पर्यटन)** के आयोजन हेतु **ऋषिकेश अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र एवं** एक **गोल्फ कोर्स** का निर्माण करेंगे।

6. हम प्रदेश के प्रमुख पर्यटन केंद्रों में कुल **500 स्वचालित बहुमंजिला पार्किंग एवं टनल पार्किंग सुविधाओं** का चरणबद्ध तरीके से निर्माण करेंगे।

ख. होमस्टे एवं वर्केशन

1. हम **दीनदयाल उपाध्याय होमस्टे स्कीम** का विस्तार करते हुए **पर्वतीय** क्षेत्रों के लिए **कैपिटल सब्सिडी** को **10 लाख रुपए से बढ़ा कर 15 लाख रुपए,** एवं **मैदानी** क्षेत्रों में **7.5 लाख रुपए से बढ़ा कर 10 लाख रुपए** करेंगे।

2. हम **'वर्क फ्रॉम हिल्स'** योजना के अंतर्गत प्रदेश में कामकाजी पेशेवर लोगों के लिए **100 आधुनिक कर्मशालाओं** का निर्माण करेंगे जिसमें रहने व काम करने की सुविधा प्रदान की जाएगी।

ग. पर्यटन विविधीकरण

1. हम **ऑनलाइन कंटेंट इनिशिएटिव - 'अन्वेषा'** प्रारम्भ करेंगे जिसके माध्यम से प्रदेश के रहस्यमय एवं रोमांचक पर्यटक स्थलों के बारे में जानकारी लोगो को उपलब्ध करवाई जाएगी।

2. हम पर्यटन क्षेत्र के उद्यमी वर्ग के हित में **20 करोड़ रुपए** से एक **'ट्रैवलप्रेन्योर फंड'** की स्थापना करेंगे।

3. हम हर साल **आकांक्षी प्रशिक्षकों के लिए 1 लाख रुपये तक की 100% प्रशिक्षण सहायता** और उपकरण लागत कवरेज प्रदान करने के लिए **'SAHAS'** योजना **(स्किलिंग एसिस्टेंस फोर हिल एडवेंचर स्पोर्ट्स)** की शुरुआत करेंगे।

4. हम उत्तराखण्डी व्यंजन परोसने वाले **भोजनालयों**, को प्रोत्साहन देने के लिए **5 करोड़ रुपए की धनराशि** से एक निवेश फंड स्थापित करेंगे। देशी विदेशी भोजन विशेषज्ञों को आकर्षित करने के लिए **प्रतिवर्ष देवभूमि आहार मेले** का भी आयोजन किया जाएगा।

5. हम प्रदेश में एग्रो-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए **5 ऑर्चर्ड विलेज** को विकसित करने हेतु **10 करोड़ रुपए की धनराशि से एक समर्पित फंड** की स्थापना करेंगे।

6. हम शीत पर्यटन को प्रोत्साहित करने हेतु स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर **औली** में **वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय स्नो फेस्टिवल** का पर्यावरणानुकूल आयोजन करेंगे।

7. **टिहरी झील** का संपूर्ण विकास कार्य वर्ष **2025** तक संपन्न किया जाएगा।

8. हम उत्तराखण्ड में **विश्व स्नो एम्यूजमेंट पार्क स्थापित** करेंगे, **इस पार्क के सभी 100% कर्मचारी उत्तराखण्डी** होंगे।

9. हम उत्तराखण्ड में **बेतुलीधर (मुनस्यारी), मुंडाली (चक्रता), दयारा बुग्याल को स्कीइंग स्थलों** के रूप में बढ़ावा देंगे।

युवा, रोजगार और खेल : युवा शक्ति, राज्य की समृद्धि

क. रोजगार

1. उत्तराखण्ड में बेरोजगारी की समस्या को हल करने के लिए, हम **'मुख्यमंत्री प्रशिक्षु योजना'** प्रारम्भ करेंगे जिसके अन्तर्गत इच्छुक बेरोजगार युवाओं को 1 वर्ष तक **3000 रुपए प्रतिमाह** तक की राशि प्रदान की जाएगी जो कि केंद्र सरकार से मिलने वाली राशि के अतिरिक्त होगी।
2. हम उत्तराखण्ड के युवाओं को **50,000 सरकारी नौकरी** देंगे। इनमें से 24,000 नौकरी सत्ता में लौटते ही उपलब्ध करवाई जाएँगी।
3. हम राज्य के **सभी जिला मुख्यालयों** में **व्यापार प्रसंस्करण आउटसोर्सिंग (बी.पी.ओ.) परिसर** स्थापित करेंगे।
4. हम उत्तराखण्ड में **ग्राम सेवा समिति** की स्थापना करेंगे जिसमें प्रत्येक **50 घरों के लिए उचित मानदेय पर एक स्थानीय ग्राम प्रबंधक** को नियुक्त किया जाएगा जिससे **31,275 युवाओं को रोजगार** प्रदान किया जाएगा।

ख. कौशल विकास

1. हम, उद्योग और कौशल के क्षेत्र में उत्तराखण्ड के विख्यात व्यक्ति को उत्तराखण्ड प्रदेश का **'कौशल प्रमुख'** नियुक्त करेंगे जो कि पूर्णतः मुख्यमंत्री के प्रति उत्तरदायी रहेगा और वह वैश्विक उद्योग मानकों को पूरा करने, **तीव्र गति से युवा रोजगार, समग्र आर्थिक विकास** को बढ़ावा देने, उत्तराखण्ड के कौशल बुनियादी ढांचे को सुधारने और सुव्यवस्थित करने के लिए सरकार की सहायता करेगा।
2. हम **आई.टी.आई. और पॉलिटेक्निक कॉलेजों की पाठ्यक्रम सामग्री और पाठ्यक्रम संरचना में उद्योग-विशिष्ट आवश्यकता के अनुरूप परिवर्तन** करेंगे, जिसके अंतर्गत सैद्धांतिक समझ की अपेक्षा व्यावहारिक अनुभव पर अधिक बल दिया जाएगा।

3. हम राज्य में **स्थापित उद्योगों की सहायता से जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को कम करने के लिए एक पोर्टल विकसित करेंगे जिसके माध्यम से राज्य के शिक्षित और कुशल युवाओं को आसानी से रोजगार के अवसर उपलब्ध** कराये जाएंगे।

ग. युवा कल्याण

1. हम प्रदेश के युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए **'राज्य युवा आयोग'** का गठन करेंगे।
2. हम **राज्य भर में समर्पित सैनिक प्रशिक्षण स्टेडियम स्थापित** करेंगे।
3. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि **उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के अंतर्गत विभिन्न आयोगों और संस्थानों में भर्ती प्रक्रिया निःशुल्क की जाए।**
4. हम राज्य में **'मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम'** की शुरुआत करेंगे जिसके माध्यम से ग्रामीण विकास की सबसे गंभीर चुनौतियों के समाधान के लिए पेशेवर युवाओं को जोड़ा जाएगा।
5. हम **सिविल सेवा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे उत्तराखण्डी युवाओं** को प्रशिक्षण और सलाह प्रदान करने के लिए, **आई.ए.एस., आई.पी.एस., आई.एफ.एस. अधिकारियों और विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के साथ एक पोर्टल** शुरू करेंगे।
6. हम राज्य के सभी रोजगार कार्यालयों को **मॉडल करियर केंद्रों में उन्नतीकृत कर इन्हे और आधुनिक बनायेगे।** इन मॉडल करियर सेंटरों को आपस में जोड़ा जाएगा और पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन की जाएगी।
7. हम मंडल, जिला और राज्य स्तर पर **एक वार्षिक युवा महोत्सव का आयोजन करेंगे जिसमे सभी ग्राम पंचायतों के युवाओं को सम्मिलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।**

घ. खेल प्रचार

1. हम विश्व स्तर के खेल बुनियादी ढांचे के निर्माण में समर्पित निवेश के माध्यम से **देवभूमि को 'सशक्त खेलभूमि'** के रूप में विकसित करेंगे। इसके साथ ही कम उम्र में ही प्रतिभाओं की पहचान करने व उन्हें तैयार करने के लिए **प्रत्येक ब्लॉक में प्रशिक्षण अकादमी युक्त एक स्टेडियम** का निर्माण करेंगे। इस तरह राज्य का लक्ष्य ओलंपिक खेलो के लिए स्वर्ण पदक विजेता तैयार करना होगा।
2. हम **2038 शीतकालीन ओलंपिक के औली में आयोजन** के लिए प्रस्ताव करेंगे।
3. हम **पारम्परिक खेलों जैसे कबड्डी, गुल्ली-डंडा, बाघ बकरी, थाप मुर्गा झपड़, बत्ती, पिठू और फुटसाल इत्यादि को पुनर्जीवित करने के लिए 100 करोड़ रुपए** की राशि का कोष बनाएंगे।
4. हम **ब्लॉक स्तर पर बहुउद्देशीय इनडोर स्टेडियम** स्थापित करेंगे।
5. हम बुनियादी ढांचे के विकास और खेल सुविधाओं के रखरखाव के लिए **'उत्तराखण्ड स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन'** की स्थापना करेंगे।
6. हम उत्तराखण्ड के प्रतिभाशाली युवाओं को प्रशिक्षित करने हेतु हॉस्टल सुविधाओं वाली **2 विश्व स्तरीय ओलंपिक खेल अकादमियों का निर्माण** करेंगे।
7. **हम राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने जा रहे एथलीटों को राज्य की UTC बसों में निःशुल्क परिवहन की सुविधाएं** उपलब्ध कराएँगे।

8. उत्तराखण्ड में एक प्रभावी खेल तंत्र विकसित करने के लिए, हम उत्तराखण्ड के **सभी जिलों में खेलो इंडिया केंद्र** की स्थापना करेंगे। इसके साथ ही **देहरादून में खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केन्द्र (के.आई.एस.सी.ई.)** भी स्थापित किया जाएगा।

9. **'फिट इंडिया' और 'खेलो इंडिया'** पहल के अनुरूप, राज्य के **प्रत्येक ब्लॉक में ओपन जिम** स्थापित किए जाएंगे।

10. हम **राज्य के निजी आवासीय विद्यालयों को जिला स्तरीय खेल विद्यालय (डी.एल.एस.एस.)** के **रूप में मान्यता** प्रदान कर स्कूल जाने वाले एथलीटों को **नि:शुल्क शिक्षा, प्रशिक्षण, उपकरण और आवासीय सुविधाएं** प्रदान कर ओलंपिक खेलों का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

उद्योग और अर्थव्यवस्था: विकसित उद्योग, सुगम व्यापार

क. औद्योगिक बुनियादी ढांचा एवं लॉजिस्टिक्स

1. हम उत्तराखण्ड में **दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे** और अन्य प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे ताकि राज्य को **05 लाख रोजगार पैदा करने के उद्देश्य से एक प्रमुख विनिर्माण केंद्र** में बदला जा सके। उत्तराखण्ड स्थित सभी प्रकार की विनिर्माण इकाइयों में कार्यरत प्रत्येक उत्तराखण्ड अधिवासी कर्मचारी के लिए प्रति कर्मचारी **5000 रुपये की वेतन सब्सिडी** 03 वर्ष तक के लिए प्रदान की जाएगी।

2. हम उत्तराखण्ड में औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिए **एक मेगा औद्योगिक पार्क** स्थापित करेंगे। साथ ही नयी **कपड़ा संवर्धन रणनीति और दवा उद्योग संवर्धन रणनीति भी** तैयार करेंगे।

3. हम **कुमाऊं और गढ़वाल दोनों मंडल में एक-एक मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क** का निर्माण करेंगे ताकि राज्य में 20,000 नौकरियों का सृजन करते हुए औद्योगिक निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके।

4. हम उद्योगों को बेहतर माल/कार्गो भंडारण सुविधाएं प्रदान करने के लिए **हरिद्वार तथा अन्य उभरते औद्योगिक नगरों में अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आई. सी.डी.)** स्थापित करेंगे। हम पंतनगर में माल परिवहन सम्बन्धी समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से करेंगे।

5. हम **देहरादून हवाई अड्डे की वर्तमान कार्गो सेवाओं को एक्सप्रेस कार्गो टर्मिनल में उन्नतीकृत** करेंगे और राज्य में औद्योगिक उत्पाद के निर्बाध परिवहन के लिए पंत नगर में एक नया मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल स्थापित करेंगे।

ख. डिजिटलीकरण

1. हम 2022 के अंत तक सभी **आधार से जुड़े सम्पत्तियों के रिकॉर्ड, मानचित्र, डिजिटल हस्ताक्षरित कर ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया का डिजिटलीकरण सुनिश्चित** करेंगे।

ग. उद्योगों को प्रोत्साहन

1. हम उत्तराखण्ड में **'एक राज्य, एक मंजूरी, एक अनुपालन'** की नीति को लागू करेंगे, जिसमें राज्य के सभी औद्योगिक और वाणिज्यिक तंत्र को रोजगार सृजन के उद्देश्य से एक साझा पोर्टल पर लाया जाएगा।
2. हम उत्तराखण्ड राज्य में **निष्पक्ष खनन प्रक्रियाओं को लागू करने के लिए एम.एम.आर.डी.ए. अधिनियम को सख्ती से लागू** करेंगे।
3. हम उत्तराखण्ड **(हरिद्वार या देहरादून) में बल्क ड्रग पार्क की स्थापना** के लिए प्रयासरत रहेंगे।

घ. छोटे, लघु एवं मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन

1. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि **एम.एस.एम.ई., अगले एम.एस.एम.ई. आकार श्रेणी में उन्नतीकृत होने पर पाँच साल की अवधि तक राज्य सरकार के श्रेणी-विशिष्ट प्रोत्साहन का लाभ** उठा सकें।
2. हम सभी **राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम को TReDS प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत** करने के लिए निर्देशित करेंगे जिससे कि एम.एस.एम.ई. को उत्तराखण्ड में लिक्विडिटी क्रंच का सामना न करना पड़े।
3. सरकार से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर, हम नए **एम.एस.एम.ई. उद्यमियों को आवेदन के तीस दिनों के बाद, डीम्ड अप्रूवल** की अनुमति प्रदान करेंगे।
4. हम केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में **कॉमन फैसिलिटी सेण्टर (सी.एफ़.सी.) की स्थापना के लिए 20 चिन्हित क्लस्टर्स को 100% सब्सिडी** प्रदान करेंगे।

ङ. टेक हब उत्तराखण्ड

1. हम उत्तराखण्ड को **बंगलुरु और हैदराबाद मॉडल के अनुरूप टेक हब बनाने के उद्देश्य से राज्य में 'उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी मिशन' की स्थापना** करेंगे जिसके माध्यम से राज्य में तकनीकी प्रगति लाने वाले व्यवसायों को बढ़ावा दिया जायेगा।
2. हम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले स्टार्टअप्स को पुरस्कृत करने के लिए **"मुख्यमंत्री स्टार्टअप पुरस्कार"** की शुरुआत करेंगे। योजना के अन्तर्गत **प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को क्रमशः 5 लाख, 2.5 लाख रुपये और 1 लाख रुपये की राशि** से पुरस्कृत किया जायेगा।
3. हम राज्य में **4 अटल इन्क्यूबेशन केंद्र** स्थापित करेंगे जिनके माध्यम से स्टार्ट-अप को आवश्यक मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहायता जैसी सुविधाएं प्रदान की जायेंगी।
4. हम उत्तराखण्ड की जलवायु उपयुक्तता और **केंद्र सरकार की पी.एल.आई. योजना** का लाभ उठाकर राज्य को पूरे उत्तर भारत के **सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग और डेटा सेंटर हब** में बदलेंगे।

च. अन्य

1. हम **सभी जिला मुख्यालयों पर पी.पी.पी. मॉडल में आधुनिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स** स्थापित करेंगे, जो मुख्य रूप से विशेष स्थानीय व्यापार, एम.एस.एम.ई. और एस.एम.ई. के उपभोक्ता उत्पादों को सहायता देगा।
2. हम प्रमुख **ई-कॉमर्स वेबसाइटों के साथ साझेदारी कर, उत्तराखण्ड के एस.एम.ई. और एम.एस.एम.ई. उत्पादों को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा** देंगे।
3. हम **पारंपरिक व्यवसायों को GI और अन्य संकेतक-आधारित टैग** से अपने **उत्पादों को पंजीकृत** कराने हेतु **उत्तराखण्ड ट्रस्ट मार्क** शुरू करेंगे।

बुनियादी ढांचा: सर्वे भवन्तु सुखिनः

क. सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर

1. हम **दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे** और **देहरादून से दिल्ली के बीच तेजस एक्सप्रेस का कार्य तेजी से पूरा कर दिल्ली एन.सी.आर और देहरादून के बीच हाई स्पीड सुपर फास्ट कनेक्टिविटी को सुनिश्चित** करेंगे। इसके अतिरिक्त हम एन.सी.आर और हल्द्वानी के बीच कनेक्टिविटी में सुधार करने पर भी अपना ध्यान केंद्रित करेंगे।

2. हम राज्य में सभी प्रमुख ढांचागत परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करेंगे। इसमें निम्नलिखित परियोजनाएं शामिल हैं-

क्रं सं	नाम	विवरण	लागत (रुपए करोड़)
1	देहरादून-पांवटा साहिब (हिमाचल प्रदेश) सड़क परियोजना	41 किलोमीटर	1,700
2	NH-125 का सितारगंज-टनकपुर खंड	52.7 किलोमीटर	209.92
3	NH-87 के रुद्रपुर-काठगोदाम खंड को 4-लेन बनाना	93 किलोमीटर	1,100
4	रुड़की-छुटमलपुर-गागलहेडी, NH-73 और छुटमलपुर-गणेशपुर, NH-72 A को 4-लेन बनाना	54 किलोमीटर	1,443

3. हम **देहरादून और हल्द्वानी में मोबिलिटी हब** बनाएंगे जो रोपवे, मेट्रो, रेलवे, सड़क और हवाई परिवहन का सम्मिलन बिंदु होगा।

4. हम **देहरादून से जौलीग्रांट हवाई अड्डे** तक एक **एक्सप्रेस-वे** का निर्माण करेंगे जिससे आने-जाने में लगने वाला वर्तमान समय 1 घंटे से कम होकर 30 मिनट हो जाएगा।

5. शहरी क्षेत्रों की **सभी सड़कों को चरणबद्ध तरीके से कंक्रीट सड़कों में अपग्रेड** किया जाएगा।

6. सड़क कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए **"मेरा गांव मेरी सड़क योजना"** के माध्यम से राज्य के सभी ग्रामीण क्षेत्रों को पक्की सडको से जोड़ा जायेगा।

7. हम **"मिशन हिमवंत"** के अंतर्गत यह सुनिश्चित करेंगे कि भूस्खलन और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण उत्तराखण्ड के लोगों के जीवन, आजीविका और संपत्ति के नुकसान का न्यूनीकरण करने हेतु आवश्यक कदम उठाने के साथ साथ सड़क किनारो की ढलानों का स्थिरीकरण भी किया जाए।

ख. रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर

1. हम देहरादून-हरिद्वार महानगर क्षेत्र में प्रस्तावित **लाइट मेट्रो परियोजना** को जल्द से जल्द मंजूरी देंगे और लागू करेंगे।

2. हम सुनिश्चित करेंगे कि निम्न **रेलवे लाइन कार्यों** को **तीव्र गति से एवं समयबद्ध** पूरा किया जाए।

क्रम संख्या	नाम	विवरण	लागत (रुपए करोड़)
1	किच्छा - खटीमा परियोजना	53 किलोमीटर	228.4
2	ऋषिकेश- कर्णप्रयाग परियोजना	125 किलोमीटर	22,716.11
3	टनकपुर- बागेश्वर	154 किलोमीटर	सर्वेक्षण प्रगति में

3. हम **देहरादून और हरिद्वार रेलवे लाइन पर डबल लाइनिंग** का कार्य तेजी से पूरा करेंगे।

4. हम **पौड़ी और अल्मोड़ा** के सांस्कृतिक शहरों के बीच रेल मार्ग की संभावना पर ध्यान देंगे।

ग. हवाई इंफ्रास्ट्रक्चर

1. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि वर्तमान स्थित हवाई अड्डों और हवाई पट्टियों जैसे **पंतनगर, गौचर और नैनी सैनी का नवीनीकरण किया जाए।** इन स्थानों से अतिरिक्त उड़ानों के संचालन को संभव बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

2. हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे कि राज्य के सभी जिला मुख्यालय देहरादून, हल्द्वानी और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से नियमित **हेली-टैक्सी** सेवाओं के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से जुड़ें।

3. हम **नई ड्रोन नीति** बनाएंगे, यह विशेष रूप से **कृषि भूमि सर्वेक्षण, कृषि बीमा प्रसंस्करण, खनन सर्वेक्षण, आपदा राहत गतिविधियों और दवाओं के वितरण में विभागों में ड्रोन के उपयोग** को बढ़ावा देगी और सुविधा प्रदान करेगी, जिसमें उत्तराखण्ड के दूरस्थ क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

घ. परिवहन

1. हम निम्नलिखित मार्गों के लिए एक **रोपवे विकास निगम** की स्थापना के माध्यम से रोपवे निर्माण परियोजनाओं को पूर्ण करेंगे।

रोपवे	दूरी	लागत (रुपए करोड़)
देहरादून - मसूरी	5.5 किलोमीटर	285.2
गोविंदघाट-घांगरिया	7 किलोमीटर	250
सोनप्रयाग- केदारनाथ	8.5 किलोमीटर	491.13
हल्द्वानी - नैनीताल	7 किलोमीटर	650
जानकी चट्टी- यमुनोत्री	2 किलोमीटर	68.33

2. उत्तराखण्ड को सही मायने में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हम केंद्र सरकार की **"पर्वतमाला परियोजना" के अंतर्गत** बेहतर और तेज कनेक्टिविटी प्रदान करने हेतु **राज्य भर में विशेष रूप से राज्य के 10 पहाड़ी जिलों में रोपवे परिवहन नेटवर्क का निर्माण** करेंगे।

3. हम उत्तराखण्ड परिवहन निगम (यू.टी.सी.) के अंतर्गत मौजूदा **1400** बसों के बेड़े में अतिरिक्त **5000 उच्च गुणवत्ता वाली बसें जोड़ेंगे।** इनमें से **1,000 इलेक्ट्रिक बसें** होगी जो राज्य में पर्यावरणनुकूल शहरी यातायात के लिए प्रयोग की जाएगी।

4. उत्तराखण्ड राज्य के भीतर इलेक्ट्रिक वाहनों की आवाजाही को सक्षम करने के लिए हम **इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे** की स्थापना करेंगे, जिससे **उत्तराखण्ड के युवाओं के लिए रोजगार के कई अवसर** पैदा होंगे।

5. हम उत्तराखण्ड के **ट्रक और टैक्सी ड्राइवर**, जो राज्य में आपूर्ति श्रृंखला के स्तम्भ है, उन्हें **10 लाख रूपए** तक का दुर्घटना बीमा कवरेज प्रदान करेंगे।

ङ. नेटवर्क कनेक्टिविटी

1. मोबाइल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने हेतु हम उत्तराखण्ड के सभी क्षेत्रो को **4G/5G मोबाइल नेटवर्क, हाई स्पीड ब्रॉडबैंड एवं फाइबर इंटरनेट से जोड़ेंगे।**

छ. ऊर्जा

1. सौर ऊर्जा पहल से अधिकतम ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए, हम **"बिश्नी देवी सौर मिशन"** शुरू करेंगे जिसके माध्यम से सौर परियोजनाओं को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाएगा।

2. समयबद्ध तरीके से सुरक्षित, निर्बाध और किफायती गैस आपूर्ति प्रदान करने के लिए **प्रमुख 20 शहरों के घरों में पाइप गैस कनेक्शन।**

3. हम उत्तराखण्ड के दूर-दराज एवं सीमावर्ती इलाकों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार चरणबद्ध तरीके से **बैटरी पावर रिजर्व** बनाएंगे। यह आपदा के समय भी उत्तराखण्ड में सभी घरों में 24 x 7 बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।

4. हम राज्य में सभी **प्रमुख ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण** करेंगे, जिससे **राज्य की कुल ऊर्जा उत्पादन क्षमता 6000 मेगावाट** हो जाएगी। जिसमें निम्नलिखित परियोजनाएं शामिल हैं-

क्रम संख्या	नाम	विवरण	लागत (रूपए करोड़)
1	नैटवार मोरी जल विद्युत परियोजना	प्रतिवर्ष 265.5 मिलियन यूनिट बिजली	947.89
2	टिहरी पम्प स्टोरेज	1000 मेगावाट	4825.6
3	विष्णुगाड पीपलकोटी	4x111 मेगावाट	3860.35
4	तपोवन विष्णुगाड एच.ई.पी	520 मेगावाट	5867.38
5	व्यासी हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट	60 मेगावाट की 2 इकाइयाँ।	1,777
6	लखवार मल्टीपर्पज़ प्रोजेक्ट	300 मेगावाट (3 x 100 मेगावाट)	5747.17
7	जमरानी	30 मेगावाट	427

5. हम राज्य की बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए **'कोटली भेल' जलविद्युत परियोजना** का निर्माण करेंगे।

ज. जल इंफ्रास्ट्रक्चर

1. हर घर में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हम हल्द्वानी, देहरादून और हरिद्वार शहरों में **वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स** का निर्माण करेंगे।

2. **"हर घर नल से जल"** योजना के माध्यम से सभी घरों के लिए नल के पानी की कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाएगी, जिसके अंतर्गत 2019-2022 के बीच उत्तराखण्ड को पहले ही 8.58% से 51.83% नल जल कनेक्टिविटी तक जोड़ दिया गया है।

3. हम समाज के सहयोग से ग्रामीण उत्तराखण्ड के **झरनों, तालाबों और चाल खाल की प्राकृतिक सुंदरता और क्षमता को संरक्षित** करने का एक कार्यक्रम बनाएंगे।

4. उत्तराखण्ड की सभी नदियों को सदानीरा बनाये रखने व सबंधित परिस्थिति तंत्र के लिए **"मिशन भागीरथी"** अभियान चलाया जाएगा।

5. हम **हरिद्वार, उधम सिंह नगर और देहरादून** के क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों से निकलने वाले दूषित पानी से निपटने के लिए **एफ्लुएंट उपचार संयंत्र** स्थापित करेंगे।

च. शहरी विकास

1. हम **'स्मार्ट टाउन प्रोजेक्ट'** के माध्यम से उत्तराखण्ड के कस्बों और शहरों के संगठित विकास को आगे बढ़ाएंगे। हम राज्य के शहरी क्षेत्रों में उपयुक्त संख्या में **सी.सी. टी.वी. यूनिटें** लगाएंगे।
    - हम सभी **स्ट्रीट लाइटों को स्मार्ट लाइट में बदलेंगे**, जिसमें कैमरा, लाइट सेंसिंग फोटोसेल और अन्य सेंसर जैसी तकनीकें शामिल होगी।
    - हम शहर के केंद्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने हेतु **वाई-फाई हॉटस्पॉट** स्थापित करेंगे।
    - शहरी कचरा प्रबंधन में सुधार के लिए हम देहरादून, रुड़की, हरिद्वार-ऋषिकेश, हल्द्वानी और नैनीताल शहरों में **सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट्स** स्थापित करेंगे।

2. हम पूरे प्रदेश में **मलिन बस्तियों का नियमितीकरण** करेंगे।

3. राज्य के **प्रत्येक नगर निगम में गरीबो को किफायती एवं गुणवत्ता वाले आवास उपलब्ध करने हेतु रेंटल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स (ए.आर.एच.सी)** बनाए जाएंगे।

4. हम एक **'शहरी बुनियादी ढांचा विकास कोष'** की स्थापना करेंगे, जिसके माध्यम से राज्य के सभी शहरी क्षेत्रों में उच्च प्रभाव वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए फण्ड एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएँगी।

5. राज्य के महानगरीय क्षेत्रों में असंगठित विस्तार को कम करने के लिए राज्य के शहरी क्षेत्रों में **फ्लोर स्पेस इंडेक्स (एफ.एस.आई.) और जोनिंग मानदंडों** में आवश्यक परिवर्तन के माध्यम से सघन आवास को प्रोत्साहित किया जाएगा।

झ. ग्रामीण विकास

1. हम **'स्मार्ट विलेज प्रोग्राम'** की तर्ज पर राज्य के सभी गांवों को विकसित करने के लिए एक मिशन शुरू करेंगे।
    - हम राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि **राज्य की प्रत्येक ग्राम पंचायत में 2025 तक 1 ए.टी.एम** हो। इसके साथ ही उत्तराखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम चलाए जाएंगे।
    - हम राज्य की हर ग्राम पंचायत में **सुसज्जित सामुदायिक और मनोरंजन केंद्र स्थापित** करेंगे।
    - ग्रामीण युवाओं को वर्क फ्रॉम होम के माध्यम से स्वरोजगार की सुविधा प्रदान करने के लिए हम राज्य के **प्रत्येक गांव में वाई-फाई हॉटस्पॉट** स्थापित करेंगे।
    - स्वच्छ भारत मिशन के सहयोग से हम हर गांव में **मजबूत वेस्ट मैनेजमेंट प्रणाली** का निर्माण करेंगे।

- हम एक **पंचायत स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर विकास कार्यक्रम** बनाएंगे, जिसके माध्यम से राज्य की सभी पंचायतों को आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण के उद्देश्य से 5 साल की अवधि में 1 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।

2. हम **डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रर्बन क्लस्टर कार्यक्रम** को मौजूदा 6 क्लस्टर से बढ़ाकर 10 क्लस्टर कर, उत्तराखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय आर्थिक विकास और बुनियादी सेवाओं को बढ़ावा देंगे।
3. हम उत्तराखण्ड राज्य के **मनरेगा श्रमिकों के वेतन में चरणबद्ध तरीके से वृद्धि** सुनिश्चित करेंगे।

ञ. सतत-पोषणीय विकास, पर्यावरण और वन्यजीवन

1. **प्लास्टिक मुक्त उत्तराखण्ड** - हम उत्तराखण्ड राज्य में **'सिंगल यूज प्लास्टिक'** पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करेंगे।
2. हम **प्रदूषण से निपटने और पर्यावरण को संरक्षित करने** के अभिनव समाधान विकसित करने के लिए भारत के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से **अनुसंधान और नवाचार परियोजनाओं को बढ़ावा** देंगे।
3. हम शीघ्र **संसूचन और त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली** के माध्यम से **मानव निर्मित दावानलों को रोकने के लिए ठोस उपाय** करेंगे।
4. हम, **वन्यजीवों की निरबाध्य आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने** के लिए, जहां भी आवश्यक हो, देहरादून हाथी गलियारे के समान **उत्थित वन्यजीव गलियारे** का निर्माण करेंगे।
5. फसलों से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को उल्लेखनीय रूप से कम करने के लिए, हम **'सिस्टमैटिक राइस इन्टेन्सिफिकेशन' (एस.आर.आई.)** को एक पद्धति के रूप में अपनाने के लिए ठोस उपाय करेंगे।
6. पक्षियों और जंगली जानवरों के आवास और प्रवास को समझने के लिए **वन्यजीव ट्रैकिंग प्रौद्योगिकी** के विकास ने आश्चर्यजनक रूप से नए अवसर प्रदान किये है इसके साथ ही इस **तकनीक के माध्यम से मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व को मजबूत करने में मदद** मिली है। हम **उत्तराखंड के वन्य क्षेत्रों में ऐसी तकनीकों को लागू करेंगे।**

महिला:
यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता:

क. महिलाओं का स्वास्थ्य

1. हम उत्तराखण्ड की **युवतियों और किशोरियों में एनीमिया** को खत्म करने के लिए, **पोषण अभियान** का सभी जिलों में विस्तार करेंगे।
2. उत्तराखण्ड की महिलाओं के लिए पर्याप्त स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से, हम **महिला अस्पतालों की संख्या मौजूदा 6 से बढ़ाकर 13** करेंगे तथा इसके साथ ही राज्य के सभी जिला अस्पतालों को चरणबद्ध तरीके से 24×7 नवजात शिशु चिकित्सा सुविधाओं से लैस करेंगे।
3. हम उत्तराखण्ड की महिलाओं को केंद्र सरकार की **24x7 टोल फ्री हेल्पलाइन और वर्चुअल असिस्टेंट** के माध्यम से स्वास्थ्य पर प्रामाणिक जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

ख. महिलाओं की शिक्षा

1. हम किशोरियों को **राज्य पुलिस बलों, केंद्रीय पुलिस बलों, बीएसएफ और अन्य अर्धसैनिक बलों में भर्ती** होने में सक्षम बनाने हेतु निःशुल्क स्कूली शिक्षा प्रदान करने के लिए **दो 'रानी कर्णावती स्कूल' स्थापित** करेंगे। इसके अतिरिक्त, ये स्कूल **सी.डी.एस. और एन.डी.ए.** जैसी परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान करेंगे।
2. हम उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली छात्राओं के लिए **13 अत्याधुनिक बालिका छात्रावास** स्थापित करेंगे।

ग. महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता

महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता

1. हम राज्य के **सभी गरीब घरो में एक वर्ष में 3 निःशुल्क एल.पी.जी. सिलेंडर** उपलब्ध करवाएंगे।
2. उत्तराखण्ड की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम करते हुए, हम **निर्धन परिवारों की महिला मुखियाओं को सहायता राशि** प्रदान करेंगे।
3. हम **विधवा पेंशन** के रूप में भुगतान की जाने वाली राशि को **1000 रूपए से बढ़ाकर 2000 रूपए** करेंगे।
4. हम 30 वर्ष से अधिक आयु की **सभी बीपीएल महिलाओं** को **अटल पेंशन योजना** के अंतर्गत **नामांकित** करेंगे।
5. हम उत्तराखण्ड के **पर्वतीय जिलों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं को 40,000 रूपए का मातृत्व अनुदान** देंगे।
6. हम उत्तराखण्ड के प्रमुख **औद्योगिक शहरों में कार्यरत महिलाओं** के लिए **10 नए महिला-आवास** स्थापित करेंगे।

स्वयं सहायता समूह एवं स्व-नियोजित महिलाएं

7. हम राज्य भर में **महिला स्वयं सहायता समूहों (एस. एच.जी.) की व्यावसायिक पहल** की सहायता के लिए **एक विशेष 500 करोड़ रूपये का कोष** स्थापित करेंगे।
8. हम **20 लाख रूपए तक बैंक लिंकेज ऋण** प्रदान करेंगे। यह ऋण प्रदेश के केवल महिलाओं द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों को प्रदान किया जाएगा।
9. हम महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से **गौरा देवी कैंटीन** स्थापित करेंगे जिनमे क्षेत्र अनुसार विशिष्ट उच्च गुणवत्ता वाला भोजन उपयुक्त मूल्य पर उपलब्ध कराया जाएगा।
10. हम **स्टैंड-अप इंडिया योजना** के अंतर्गत युवा महिलाओं को **25,000 रूपए का वित्तीय अनुदान** प्रदान करेंगे जिससे वे राज्य में अपना उद्यम शुरू कर सकें।

सामाजिक न्याय : सबका साथ सबका विकास

क. वरिष्ठ नागरिक

1. हम राज्य में वरिष्ठ नागरिको के लिए संचालित सभी सरकारी योजनाओ के सुचारू रूप से क्रियान्वन के लिए **आधार संचालित सेवा वितरण (AESD)** प्रणाली लागू करेंगे।

2. हम वरिष्ठ नागरिकों की सेवा में **'श्रवण'** नामक **10,000 समर्पित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं** का एक नया वर्ग स्थापित करेंगे, जिन्हें उनके स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी करने, अस्पताल जाने में सहायता करने और दवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

3. हम सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए वृद्धावस्था पेंशन को क्रमबद्ध तरीके से **1200 रूपए से बढाकर 3600 रूपए** करेंगे, जो सीधा उनके बैंक खातों में हस्तांतरित होगा।

4. हम **वरिष्ठ नागरिकों** के प्रति होने वाले दुर्व्यवहार की रोकथाम और समस्या निवारण के उद्देश्य से **एक समर्पित हॉटलाइन नंबर** जारी करेंगे।

5. हम **'मोक्षदा तीर्थ यात्रा योजना'** के अंतर्गत भारतीय रेलवे की सहयोगिता से एक विशेष तीर्थयात्रा कार्यक्रम चलाएंगे, जिसके अंतर्गत राज्य के सभी वरिष्ठ नागरिकों को चार धाम, काशी विश्वनाथ, अयोध्या श्री राम मंदिर, रामेश्वरम, स्वर्ण मंदिर, मदुरै मीनाक्षी मंदिर, जगन्नाथ पुरी और कामाख्या मंदिर की यात्रा के लिए **10,000 रूपए** तक की सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी।

ख. अनुसूचित जाति (एस.सी.), अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.)

1. सत्ता में लौटने पर, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि **सफाई कर्मचारियों और उनके आश्रितों द्वारा लिए गए एक लाख रूपये तक के कर्ज को माफ** कर दिए जाएं।

2. हम **50 करोड़ रूपए** के कोष से **पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम** की स्थापना करेंगे, जिसका उद्देश्य पिछड़े वर्ग के युवाओं को रोजगार अवसर प्रदान करना होगा।

3. हम **अनुसूचित जाति (एस.सी.), अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) आरक्षण के अंतर्गत रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया में तेजी** लाएंगे।

4. हम **NTSE और KVPY परीक्षाओ** में अनुसूचित जाति व जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं ई.डब्ल्यू.एस. परिवारों से आने वाले हर जिले के 25 शीर्ष विद्यार्थियों को **5000 रूपए का पुरस्कार** प्रदान करेंगे।

5. हम **सीमान्त क्षेत्रो की महिलाओं** को पर्याप्त **प्रशिक्षण प्रदान** करके **ई-कॉमर्स** वेबसाइटों पर उनके उत्पादों का **विक्रय विस्तार** करने के लिए सशक्त बनाएंगे।

6. हम वंचित क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति के छात्रों को समर्पित 3 **नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ई.एम.आर.एस.)** स्थापित करेंगे।

7. **'वन पंचायतो'** से मिलने वाले **वन उत्पादों की बिक्री सुनिश्चित** करने हेतु हरसंभव प्रयास किये जाएगे।

ग. अंत्योदय कल्याण

1. हम **'AIM (एईम) उत्तराखण्ड ' (एक्सेसिबिलिटी एंड इनक्लूसिविटी मिशन उत्तराखण्ड)** की शुरुआत करेंगे जिसके अंतर्गत:
   - राज्य के हर **पर्यटन स्थल** को दिव्यांगों के लिए **सुलभ** बनाया जाएगा।
   - सभी **सरकारी स्कूलों और कॉलेजों** को दिव्यांगों के लिए **सुलभ** बनाया जाएगा।
   - आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए सभी दिव्यांगों को **निःशुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण** प्रदान किया जाएगा।
   - राज्य में दिव्यांगों को **असीमित निःशुल्क बस यात्रा प्रदान** की जाएगी।

2. हम **'लक्ष्य सिद्धि योजना'** के अंतर्गत **यू.पी.एस.सी., यू.के.पी.एस.सी.** और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों के हित में प्रत्येक जिले में **'सिद्धि केंद्रों'** की स्थापना के माध्यम से निःशुल्क प्रशिक्षण, आवास और भोजन सुविधा प्रदान करेंगे।

3. हम सभी **असंगठित मजदूरों** को सरकारी योजनाओं के लाभ दिलाने हेतु **श्रम कल्याण बोर्ड** के माध्यम से विशेष पहचान पत्र प्रदान करेंगे।

4. हम उत्तराखण्ड के **असंगठित मजदूरों और गरीबों को 6,000 रुपये तक की पेंशन और 5 लाख रुपये का बीमा कवर** प्रदान करेंगे। केंद्र सरकार के **ई-श्रम पोर्टल** पर असंगठित श्रमिकों को नामांकित करने के लिए बड़े पैमाने पर पंजीकरण अभियान चलाएंगे।

5. हम गरीबों को गुणवत्तापूर्ण आवास सुनिश्चित करने हेतु, **प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी और ग्रामीण** के अंतर्गत सभी किफायती आवास परियोजनाओं को फास्ट ट्रैक मिशन मोड पर पूरा करेंगे।

6. हम **भूमिहीन और अन्य असंगठित मजदूरों को बैंक ऋण** एवं अन्य सरकारी लाभ प्राप्त करवाने हेतु उन्हें सभी **आवश्यक सरकारी दस्तावेज** उपलब्ध करवाने की कार्यवाही आरम्भ करेंगे।

7. हम **वाहन और ऑटो चालकों के कल्याण के लिए कॉर्पस फंड के साथ वाहन चालक वेलफेयर बोर्ड** की स्थापना करेंगे।

8. हम **व्यावसायिक वाहन चालकों एवं सहायको** को **दो लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा** प्रदान करेंगे।

9. हम **100 करोड़ रुपए** की लागत से **राज्य के दुकानदारों और व्यापारीयों** के लिए **एक वेलफेयर बोर्ड का गठन** करेंगे। बोर्ड स्वास्थ्य बीमा, अग्नि बीमा, बच्चों की छात्रवृत्ति, दुकान उन्नयन, इत्यादि के लिए अन्य चीजों के साथ ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, बोर्ड को मंडियों में पंजीकरण की प्रक्रिया को सुचारु करने का भी काम सौंपा जाएगा।

10. **हम तीन तलाक पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू** करने हेतु समग्र उत्तराखण्ड में पर्याप्त संख्या में **विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट** स्थापित करेंगे।

11. हम **पंजीकृत पारलैंगिक** व्यक्तियों को **1000 रुपए प्रति माह** का भत्ता प्रदान करेंगे।

कानून व्यवस्था: धर्मो रक्षति रक्षितः

क. पुलिस बलों का सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण

1. **पुलिस बल के ग्रेड-पे** के समाधान की दिशा में **उपयुक्त कदम त्वरित गति से उठाए** जाएंगे।
2. हम **उधम सिंह नगर और हरिद्वार में तीन नई सशस्त्र पुलिस बटालियन** की स्थापना करेंगे ताकि कानून प्रवर्तन प्रणाली को मजबूत किया जा सके और संगठित हिंसा की स्थिति को बेहतर ढंग से नियंत्रित किया जा सके।
3. **मिशन ऑफ़ आल-राउंड इम्प्रूवमेंट ऑफ़ थाना फॉर रेस्पॉन्सिव इमेज (MAITRI)** योजना के माध्यम से हम यह सुनिश्चित करेंगे कि राज्य के सभी पुलिस स्टेशन अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे से सज्जित हों।
4. हम माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के **SMART (Strict and Sensitive, Modern and Mobile, Alert and Accountable, Reliable and Responsive, Techno savvy and Trained) पुलिस की अवधारणा** को यथार्थ करने के लिए चरणबद्ध तरीके से काम करेंगे।
5. हम शहरी क्षेत्रो की कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने हेतु प्रदेश के 10 लाख से अधिक आबादी वाले नगरों में मानकों के अनुसार **पुलिस कमिशनरेट प्रणाली (Police Commissionerate System)** को लागू करेंगे।
6. संभावित दंगों और हिंसक अपराधियों से मुठभेड़ के दौरान हमारे पुलिस बलों की सुरक्षा के लिए, हम राज्य पुलिस बल को अत्याधुनिक **20 एंटी-रायट वाहनों (वज्र), 4000 (लेवल 5) बुलेट प्रूफ जैकेट** और **20,000 फुल बॉडी प्रोटेक्शन एंटी-रायट गियर** से लैस करेंगे।
7. पुलिस बलों की गतिशीलता और चपलता बढ़ाने के लिए, हम उन्हें चरणबद्ध तरीके से **320 आधुनिक 4x4 वाहन, 5000 INSAS राइफल** और **5000 बेरेटा 92 एफएस पिस्टल** से सुसज्जित करेंगे।
8. हम पूरे राज्य में **उपयुक्त संख्या में सीसीटीवी कवरेज सुनिश्चित** करेंगे।

ख. महिला सुरक्षा

1. हम **महिला थानों की संख्या को दोगुना करेंगे** और **100 महिला पेट्रोलिंग कारों** की शुरुआत करेंगे।
2. हम राज्य की सभी महिलाओं के लिए **एक एकीकृत एस.ओ.एस. एप्लिकेशन 'महिला सुरक्षा'** लॉन्च करेंगे।
3. **लव जिहाद के कानून में संशोधन कर उसे कठोर बनाएगी तथा दोषियों के लिए दस साल के कठोर कारावास का प्रावधान करेगी।** इस कानून के अंतर्गत दर्ज सभी मामलो का निस्तारण फ़ास्ट ट्रैक किया जायेगा।
4. हम **सामर्थ्य योजना** शुरू करेंगे जो यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य के स्कूलों और कॉलेजों की छात्राओं को पुलिस कर्मियों द्वारा निःशस्त्र आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाए।

ग. न्याय वितरण प्रणाली को सुधारना

1. यह सुनिश्चित करने के लिए कि उत्तराखण्ड जैसे सीमावर्ती राज्य में राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता न हो, इसके लिए हम **लैंड जिहाद से सबंधित विवादों की सुनवाई के लिए एक मध्यस्थता आयोग का गठन** करेंगे।
2. हम एक **न्यायिक प्रशिक्षण अकादमी** की स्थापना करेंगे जो पीठ में नए नियुक्त न्यायाधीशों के प्रशिक्षण की प्रक्रिया को सुगम बनाएगी।

घ. कम्युनिटी पुलिसिंग

1. बच्चों के मन से पुलिस के डर को दूर करने और उनको पुलिस के कामकाज की बेहतर समझ प्रदान करने के लिए **विश्वास योजना** शुरू की जाएगी।
2. अपराधों के शिकार बच्चों के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए, **हम राज्य के हर पुलिस स्टेशन को बाल मित्र पुलिस स्टेशन में अपग्रेड** करेंगे।
3. हम उपयुक्त रणनीति और तंत्र तैयार करके पीड़ितों और गवाहों की देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक **पीड़ित और गवाह संरक्षण योजना** शुरू करेंगे।

ङ. युद्ध : नशे के विरुद्ध

1. हम **"जीरो टॉलरेंस ऑफ ड्रग्स"** की नीति को लागू करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन करेंगे। ड्रग्स के व्यापार में शामिल लोगों के खिलाफ सजा बढ़ाई जाएगी और इस व्यापार में सम्मिलित लोगों के खिलाफ सभी मामलों की सुनवाई विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों में की जाएगी।
2. दोष सिद्ध **ड्रग पेडलर्स की सभी चल एवं अचल संपत्तियों जिसमे घर एवं वाहन भी सम्मिलित होंगे, को जब्त कर लिया जाएगा तथा इन जब्त सम्पतियो का उपयोग ड्रग रिहैबिलिटेशन सुविधाओं को फंड** करने के लिए किया जाएगा।
3. हम राज्य में **नशीले पदार्थों के प्रवाह को रोकने के लिए सभी सीमा चौकियों को अपग्रेड** करेंगे।

च. पुलिस कल्याण

1. हम बलिदानी पुलिस जवानो के बच्चो को **NDA, CAT, JEE, NEET, CLAT, State PCS, UPSC आदि प्रतियोगी परीक्षाओ की कोचिंग के लिए 2 लाख रुपए का ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण** प्रदान करेंगे।
2. हम **चरणबद्ध तरीके से राज्य के सभी पुलिस कर्मियों को आवास उपलब्ध करवाना सुनिश्चित** करेंगे।
3. हम यह **सुनिश्चित करेंगे कि पुलिस कर्मियों को लगातार हर दो शिफ्टों के बीच एक अनिवार्य ब्रेक** मिले।
4. हम यह सुनिश्चित करेंगे कि **ड्यूटी के दौरान अपने जीवन का बलिदान देने वाले या स्थायी विकलांगता का शिकार होने वाले पुलिस कर्मियों के परिवारों का उचित पुनर्वास** हो।

भाषा और संस्कृति: उत्कृष्ट संस्कृति, उन्नत सोच

क. देवभूमि अराधना

1. **चार धाम सर्किट** में आने वाले **सभी मंदिर और गुरुद्वारों** पर **भौतिक बुनियादी ढांचे और परिवहन सुविधाओं का विस्तार** किया जाएगा। गढ़वाल के चार धाम परियोजना की तर्ज पर कुमाऊं के प्राचीन मंदिरों को भव्य बनाने के लिए **"मानसखंड मंदिर माला मिशन"** की शुरुआत की जाएगी।

2. हम **हरिद्वार को योग की अंतर्राष्ट्रीय राजधानी** और विश्व में **आध्यात्मिक पर्यटन के लिए सबसे बड़े स्थलों के रूप में बदलने के लिए** उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ **"मिशन मायापुरी"** शुरू करेंगे।

3. रोपवे के माध्यम से पहुंच को आसान बनाने पर विशेष ध्यान देने के साथ, **सभी मंदिरों और तीर्थस्थलों के आसपास परिवहन और भौतिक बुनियादी ढांचे को विकसित** करने के लिए हम एक नई योजना **'HARI' (हेरिटेज ऑग्मेंटेशन एंड रिजूविनेशन इनिशिएटिव)** के माध्यम से दस वर्षों की अवधि में **8000 करोड़ रुपये** का निवेश करेंगे।

4. हम अत्याधुनिक नागरिक और परिवहन बुनियादी ढांचे के निर्माण पर ध्यान देकर **पंच बद्री और पंच केदार मंदिर समूहों का पुनरुद्धार और कायाकल्प करेंगे।**

5. प्राचीन उत्खनन, पौराणिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थलों के इतिहास का विवरण देने वाली पट्टिकाओं को स्थापित करने के लिए हम **'उत्तराखण्ड हेरिटेज प्लैक प्रोजेक्ट'** शुरू करेंगे।

ख. वैदिक धरोहर की रक्षा

1. हम **वेद पाठशालाओं** में शिक्षण व बुनियादी ढांचे के विकास हेतु **एक करोड़ रुपए** तक की एक मुश्त वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।

2. **वेद पाठशालाओं से प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार सुनिश्चित करवाने के लिए** प्रमुख धार्मिक और सामाजिक संस्थानों से साझेदारी की जाएगी।

3. हम **नन्दा देवी राजजात को भव्य एवं व्यापक** बनाने की दिशा में सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराएँगे।

4. **सभी पंजीकृत मंदिरों को** मंदिर प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में वार्षिक **रथ यात्रा एवं शोभायात्रा** के आयोजन के लिए **50,000 रुपए तक का अनुदान** प्रदान किया जाएगा।

5. हम राज्य के **ग्राम देवता मंदिरों को** ग्राम देवता जात आयोजित करने के लिए **50,000 रुपये तक का अनुदान** प्रदान करेंगे।

6. हम उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय में वेद विभाग का विस्तार **वेद पठनम विद्यालय** के रूप में करेंगे।

7. हम जोशीमठ के श्री बद्रीनाथ वेद वेदांग संस्कृत पीजी कॉलेज में **वेद अध्ययन केंद्र** का शीघ्र निर्माण सुनिश्चित करेंगे।

ग. अपनी भाषा, अपनी पहचान

कुमाऊंनी, गढ़वाली एवं जौनसारी को प्रोत्साहन

1. हम नैनीताल में **कुमाऊंनी अध्ययन केंद्र**, श्रीनगर में **गढ़वाली अध्ययन केंद्र** और चकराता में **जौनसारी अध्ययन केंद्र** स्थापित करेंगे। ये केंद्र कुमाऊंनी, गढ़वाली और जौनसारी में एक डिजिटल शब्द भंडार के संकलन की शुरुआत करेंगे।

2. हम कुमाऊंनी, गढ़वाली और जौनसारी में प्रकाशित पुस्तकों के लिए **प्रत्येक लेखक को 1 लाख रुपए तक का लेखक अनुदान** देंगे।

संस्कृत की प्रोन्नति

3. हम उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय में **तीन स्तरीय प्रमाणन कार्यक्रम और एक वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण डिप्लोमा** शुरू कर मौखिक संस्कृत को बढ़ावा देंगे।

4. हम उत्तराखण्ड के हर सरकारी स्कूल में **मौखिक संस्कृत लैबोरेटरी** स्थापित करेंगे। सभी कक्षाओं के छात्रों के लिए साप्ताहिक प्रयोगशाला सत्र अनिवार्य किया जाएगा।

उत्कृष्टता को पहचानना

5. **हम उत्तराखण्ड की भाषाओं को समृद्ध बनाने की दिशा** में योगदान को सम्मानित करने के लिए पुरस्कारों की स्थापना करेंगे:

पुरस्कार	योगदान का क्षेत्र
भजन सिंह स्मृति सम्मान	कुमाऊंनी भाषा को समृद्ध बनाना
बृजलाल शाह स्मृति सम्मान	गढ़वाली भाषा को समृद्ध बनाना
रतन सिंह जौनसारी स्मृति सम्मान	जौनसारी भाषा को समृद्ध बनाना
अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी गौरव सम्मान	हिंदी साहित्य में योगदान
संस्कृत साहित्य रत्न पुरस्कार	संस्कृत साहित्य में योगदान
लता मंगेशकर संगीत रत्न पुरस्कार	मुखर और वाद्य संगीत में योगदान
उत्तराखण्ड नाट्य - नृत्य पुरस्कार	रंगमंच और नृत्य में योगदान

उत्तराखण्ड की लोक कला, संगीत और नृत्य

6. हम फिल्मों, वेब सीरीज और अन्य मीडिया प्लेटफार्मों में कार्यरत लोक कलाकारों के बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा हेतु **उत्तराखण्ड लोक संस्कृति संरक्षण नीति** लाएंगे।

7. हम दून विश्वविद्यालय में **'बीएम शाह निष्पादन कला अकादमी'** की स्थापना करेंगे, जिसमें पारंपरिक प्रदर्शन कलाओं को बढ़ावा देने के लिए छोलिया, थड़िया और चौफुला नृत्य रूपों के विशेषज्ञ होंगे।

8. हम एक वार्षिक **उत्तराखण्ड लोक महोत्सव** का आयोजन करेंगे जिसमें प्रदेश के प्रमुख लोक कलाकारों को उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान किया जाएगा।

9. हम **शास्त्रीय नृत्य और संगीत पाठ्यक्रमों में नामांकित सभी छात्रों की शिक्षा के लिए कोष का प्रबंध** करेंगे।

10. हम उत्तराखण्ड के **लोक संगीतवादको** को प्रोत्साहन देने के लिए उन्हें **3,000 रुपये की मासिक सहायता** राशि प्रदान करेंगे।

11. हम क्षेत्रीय वाद्ययंत्रों के **वादकों/ बाजीगरों को 60 वर्ष की उम्र पूर्ण करने पर पेंशन 3100 रुपए से बढ़ाकर 5100 रुपए** करेंगे।

पूर्व कार्यकर्ता नमन

पंडित देवेंद्र (डबराल) शास्त्री *1921 - 2012*

स्थान - जिला / राज्य - टिहरी गढ़वाल, उत्तर प्रदेश और देहरादून, उत्तराखण्ड

स्वतंत्रता सेनानी पंडित देवेंद्र डबराल शास्त्री जी ने अपना पूरा जीवन अन्याय और तुष्टिकरण के विरुद्ध लड़ने में लगाया। 1947 में एक प्रचारक रहते हुए, अपने युवा दिनों में भी उन्होंने अपने जीवन की परवाह न करते हुए यह सुनिश्चित किया कि शेखपुरा, लायलपुर (वर्तमान पाकिस्तान) से हिंदुओं को सुरक्षित निकाल लिया जाए। 1951 में जनसंघ के सह-संस्थापक होने के नाते, उन्होंनें कई बार जन-समर्थक गतिविधियाँ आयोजित कीं, जिससे उन्हें अपार लोकप्रियता और सद्भावना प्राप्त हुई। समाजसेवा की इतनी उत्कट लालसा उनमें थी कि उन्होंने श्रमदान के माध्यम से देहरादून के राजावाला गांव में एक सिंचाई नहर का निर्माण कार्य करवाया। 1953 के 'कश्मीर बचाओ' आंदोलन में भाग लेने के बाद, शास्त्री जी के गिरफ्तारी के प्रयास हुए। बाद में उन्हें तीन महीने बिजनौर, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जेलों में रहना पड़ा।

1951 और 1977 के बीच शास्त्री जी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए जनसंघ के संगठन मंत्री के रूप में भी काम किया था। 1977 में आपातकाल के बाद वह देहरादून से विधान सभा के सदस्य के रूप में चुने गए एवं उन्हें उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी का उपाध्यक्ष और उत्तरांचल प्रदेश संघर्ष समिति का अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया। बाद में, वे उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य भी बने, जबकि पहले जनसंघ और बाद में भाजपा के आजीवन सदस्य बने रहे। यहां तक उन्हें आम लोगों के मुद्दों को उठाने के साथ-साथ विभिन्न स्थानों पर अलग उत्तरांचल राज्य के अभियान का नेतृत्व करने के लिए लगभग 3 साल तक जेल में भी रखा गया था। पंडित देवेंद्र शास्त्री जी की जीवन भर निस्वार्थ राजनीति, सेवा तथा राष्ट्रवाद के लिए हम उन्हें सादर नमन करते है।

सोबन सिंह जीना *1909-1989*

स्थान - जिला / राज्य - ग्राम सुनौली, मल्ला स्यूनरा, अल्मोड़ा, उत्तर प्रदेश

जनसंघ के संस्थापकों में कई ऐसे विशिष्ट नाम है जिन्होंने जनसंघ से भारतीय जनता पार्टी तक की यात्रा तय करने के साथ-साथ पार्टी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे ही लोगों में कुमाऊं के वरिष्ठ राजनेता एवं पूर्व पर्वतीय विकास मंत्री स्वर्गीय श्री सोबन सिंह जीना का नाम शामिल है।

श्री सोबन सिंह जीना की प्रारम्भिक शिक्षा बिसौली जिला अल्मोड़ा में हुई थी। जी. आई.सी., नैनीताल से हा.स्कूल और अल्मोड़ा से इन्टरमीडिएट परीक्षाएं उत्तीर्ण श्री जीना ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. की उपाधि ग्रहण की। 1933 में श्री जीना ने अल्मोड़ा में विधि व्यवसाय अपनाया और शीघ्र ही लोकप्रिय और सफल अधिवक्ताओं में शामिल हो गए। अल्मोड़ा बार एसोसिएशन के वर्षों तक

अध्यक्ष श्री सोबन सिंह जीना ने अपनी उदार प्रवृत्ति के कारण भारी संख्या में लोगों को लाभ पहुंचाया।

श्री सोबन सिंह जीना केवल विधिवेता ही नहीं, कर्मठ समाज सेवी भी थे। वे संगठन से जुड़कर कुमाऊं जनसंघ के संस्थापक सदस्यों के रूप में शामिल हुए। जनसंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष रहकर उन्होंने राज्य में अनेकों कार्य किए। भाजपा के गठन के बाद सोबन सिंह जीना पार्टी के जिलाध्यक्ष बने। उन्होंने 1952, 1977 और 1980 में बारामण्डल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा। 1971 में अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ क्षेत्र से लोकसभा का चुनाव लड़ा। 1977 के चुनाव वह भारी मतों से जीते और उत्तर प्रदेश में पर्वतीय विकास मंत्री बने।

मूलत: समाजसेवी छवि के सोबन सिंह जीना राजनीतिज्ञ तो थे ही शिक्षाविद् भी थे। उन्होंने दर्जनों शिक्षण संस्थाओं को सहायता दी। भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी को समृद्ध बनाने में स्वर्गीय सोबन सिंह जीना के परिश्रम को विस्मृत करना उचित नहीं होगा। उन्होंने संगठन को उस समय एक पहचान दी जब जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी को लोग अछूत समझते थे। ऐसे ओजस्वी वक्ता, प्रखर राजनेता श्री सोबन सिंह जीना को सादर नमन।

इन दोनों वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के अतिरिक्त भी ऐसे अनेकों कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन देश, राज्य एवं विचारधारा के लिए होम कर दिया। हम उन सभी के निस्वार्थ सेवाभाव, समर्पण तथा राष्ट्रवाद के लिए उन्हें सादर नमन करते हैं।

दृष्टि पत्र- 2022 समिति

भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखण्ड

संयोजक

डॉ० रमेश पोखरियाल निशंक

पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड एवं सांसद, हरिद्वार लोकसभा क्षेत्र

सह संयोजक

श्री नरेश बंसल, सांसद, राज्यसभा

सदस्य

श्री विशन सिंह चुफाल, कैबिनेट मंत्री, उत्तराखण्ड शासन
श्री सुबोध उनियाल, कैबिनेट मंत्री, उत्तराखण्ड शासन
श्री चंदन रामदास, विधायक, बागेश्वर
श्री हरभजन सिंह चीमा, विधायक, काशीपुर
श्रीमति ऋतु खंडूरी, विधायक, यमकेश्वर
डॉ० ओ० पी० कुलश्रेष्ठ संयोजक, पॉलिसी रिसर्च विभाग, भाजपा, उत्तराखण्ड प्रदेश

काफल, बुराँश, पहाड़ पुकारें
जिसने बनाया, वही संवारें

उत्तराखण्ड की पुकार
मोदी-धामी सरकार

किया है, करती है, करेगी सिर्फ़ भाजपा

“21 वीं शताब्दी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का दशक है”

उत्तराखण्ड की पुकार, मोदी-धामी सरकार

भाजपा उत्तराखण्ड, 29 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून-248001
+91 135 2671306 http://uttarakhand.bjp.org/